RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 231 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 19-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश कानून-व्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुका है : आदित्यनाथ

6 भारतीय नवसंवत्सर का स्वर्णिम आरंभ

7 'सरके चुनर' विवाद : विरोध के बाद यूट्यूब से हटाया गया गाना

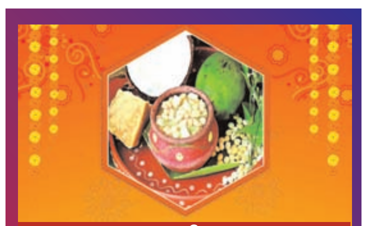

### अवकाश की सूचना

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष संवत्सर रविवार से प्रारंभ हो रहा है। दक्षिण भारत में इसे युगादि (उगादि) पर्व के रूप में मनाया जाता है। दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को इस पर्व की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में दक्षिण भारत कार्यालय में गुरुवार 19 मार्च 2026 को सम्पूर्ण अवकाश रहेगा, अगला अंक 21 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

## फर्स्ट टेक

### सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की सेवाएं दुनिया भर में बाधित

**नई दिल्ली/भाषा।** सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को बुधवार को एक बड़ी तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, जिसके कारण भारत सहित दुनिया भर के हजारों उपयोगकर्ताओं के लिए इसकी सेवाएं बाधित हो गईं। सेवाओं के बाधित होने पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, भारतीय समयानुसार रात आठ बजे के कुछ ही देर बाद इस मंच के काम न करने की खबरें तेजी से बढ़ने लगीं। विभिन्न क्षेत्रों के उपयोगकर्ताओं ने मोबाइल ऐप और कंप्यूटर वेबसाइट दोनों में समस्या आने की सूचना दी है। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों के उपयोगकर्ताओं ने अपनी टाइम लाइन को अद्यतन करने, उत्तर देखने और नए संदेश साझा करने में आ रही दिक्कतों की शिकायत की।

### बेंगलूरु में छापेमारी के दौरान गैस एजेंसी के गोदाम से 155 एलपीजी सिलेंडर जब्त

**बेंगलूरु/भाषा।** बेंगलूरु पुलिस ने शहर में रसोई गैस के अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को एक गोदाम में रखे गए 155 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु साउथ तालुक के खाद्य निरीक्षक की शिकायत के आधार पर तलघट्टापुरा थाने की सीमा के भीतर की गई छापेमारी के बाद मंगलवार को ये सिलेंडर जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि शिकायत में अधिकारी ने कहा है कि तलघट्टापुरा थाने के अंतर्गत जेपी नगर के 'विश्वेश्वरैया इंडस्ट्रियल लेआउट' में स्थित गैस एजेंसी के मालिक ने बीपीसीएल (भारत गैस) के कई सिलेंडर को अवैध रूप से एक गोदाम में जमा कर रखा था।

| | |
|---|---|
| 19-03-2026 सूर्यास्त 6:19 बजे | 20-03-2026 सूर्योदय 6:13 बजे |
| BSE 76,704.13 (+633.29) | NSE 23,777.80 (+196.65) |
| सोना 16,209 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 258,000 रु. प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### मेरा परिवार

हर भारतवासी है परिजन,
इसमें कोई भी नहीं वाद।
आखिर क्यों हम सब करते फिर,
कुछ परिवारों का ही निनाद।
भूलो सत्ता में पुरखों को,
छोड़ो सब ही परिवारवाद।
कुछ काम करो ऐसा जिससे,
रख सके आपको सभी याद।।

# अपने मूल्यों के आधार पर भविष्य का निर्माण करेगा भारत : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारी सुनील आम्बेकर ने बुधवार को कहा कि महिलाओं की भागीदारी के मुद्दे को भारतीय परिप्रेक्ष्य से देखा जाना चाहिए, न कि पश्चिमी सोच के चश्मे से। उन्होंने यहां एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में पुस्तक 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' के विमोचन के अवसर पर कहा, ''यह आरएसएस और महिलाओं का प्रश्न नहीं है। यह प्रश्न इसलिए उठता है क्योंकि महिलाओं के प्रति भारतीय दृष्टिकोण को ठीक से समझा नहीं गया है।''

आरएसएस के राष्ट्रीय मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख आम्बेकर ने युवा पीढ़ी पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे संतुलित निर्णय लेने की बेहतर स्थिति में हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज की पीढ़ी, जिसे लोग 'जेन-जेड' कहते हैं, अधिक जागरूक है क्योंकि उन्हें पूरी दुनिया देखने का अवसर मिला है। वे भारत को देख रहे हैं, भारत के अतीत से परिचित हैं, दुनिया को देख रहे हैं, दुनिया के अतीत और वर्तमान को देख रहे हैं और इन सबकी तुलना कर रहे हैं। वे स्पष्ट रूप से जानते हैं कि किसने क्या हासिल किया है, किसने क्या खोया है और हमें क्या हासिल करना है।''

आम्बेकर ने कहा कि भारत अपने मूल्यों के आधार पर अपना भविष्य निर्धारित करेगा। उन्होंने कहा, ''भारत में जो नया संयोजन बनेगा, वह ऐसा नहीं होगा जिसमें हमारी संस्कृति और परिवार बाजार और प्रौद्योगिकी के आधार पर आकार लेंगे। हम अपने मूल्यों और संस्कृति के अनुसार तय करेंगे कि हमें किस प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है।''

आम्बेकर ने कहा कि महिलाएं पहले से ही समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तथा उनकी भागीदारी और भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ''वास्तविक सपना यह है कि पूरे भारत की महिलाएं जीवन और नेतृत्व के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ, बिना किसी डर के और अधिक संख्या में आगे आएं।'' उन्होंने कहा कि लिंग संबंधी कई पश्चिमी विचार पुरुषों और महिलाओं के बीच संघर्ष पर आधारित हैं।

आम्बेकर ने कहा, ''उन समाजों में, समस्या को पुरुषों और महिलाओं के बीच संघर्ष के रूप में देखा जाता है और इसलिए, दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा के माध्यम से समाधान खोजने का प्रयास किया जाता है।''

आरएसएस के पदाधिकारी ने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण अलग है और इसमें पुरुषों और महिलाओं को समान और एक दूसरे के पूरक के रूप में देखा जाता है।

आम्बेकर ने कहा कि भारत में समस्याएं ज्ञान परंपराओं में आई रुकावटों और समय के साथ सामाजिक व्यवस्थाओं के कमजोर होने के कारण उत्पन्न हुईं।

# मानव जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा 6जी का युग : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 6जी का युग लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने वाला साबित होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेटवर्क, उपकरणों व सेवाओं के बीच वैश्विक स्तर पर एक साथ मिलकर काम करने की क्षमता, एक समान तकनीकी ढांचा, तेज नवाचार और समावेश के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता प्रौद्योगिकी की पूरी क्षमता को खोलने के लिए अहम होंगे।

मंत्री ने 6जी मानकीकरण पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में कहा कि दुनिया एक नए प्रौद्योगिकी युग की दहलीज पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि 6जी का युग केवल गति में गुणात्मक वृद्धि ही नहीं दर्शाएगा बल्कि डिजिटल व प्रौद्योगिकी दोनों दृष्टिकोण से मानव जीवन में बदलाव की दृष्टि से अगली बड़ी छलांग भी होगा।

मंत्री ने बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हुए चार प्रमुख तत्वों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, '' हमारी निर्णायक भूमिका चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। इसमें पहला स्तंभ उपकरण, नेटवर्क व सेवाओं के बीच वैश्विक स्तर पर एक साथ मिलकर काम करने की क्षमता सुनिश्चित करना है। यह पूरे विश्व में होना चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर निर्बाध संचार संभव हो सके।''

अन्य पहलुओं में एक समान तकनीकी ढांचा तैयार करना, प्रयोगशाला में हुई खोजों को वास्तविक दुनिया के समाधान में बदलने के लिए नवाचार एवं अनुसंधान को तेज करना शामिल है। सिंधिया ने कहा, '' चौथा और सबसे महत्वपूर्ण है समावेशी विकास, स्वदेशी नवाचार और खुले मानक सुनिश्चित करना ताकि समान अवसर वाला वातावरण तैयार किया जा सके।''

## रुपया 23 पैसे टूटकर 92.63 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

**मुंबई/भाषा।** मजबूत डॉलर और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी के दबाव में रुपया बुधवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92.63 प्रति डॉलर (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने भी बाजार की धारणा को कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.42 के भाव पर खुला और अधिकांश समय 92.41-92.48 के दायरे में कारोबार करता रहा। लेकिन सत्र के अंतिम चरण में गिरावट के साथ यह 92.63 पर बंद हुआ।

# एमएसपी पर कांग्रेस के 'हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और'

▪ **कृषि मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले की प्राचीर से सिर्फ छह बार किसान का जिक्र किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 207 बार किसान का उल्लेख किया है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर लोकसभा में कांग्रेस सदस्यों के हमले को लेकर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर मुख्य विपक्षी दल के ''हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और'' हैं।

उन्होंने सदन में वर्ष 2026-27 के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस नीत (पूर्ववर्ती) सरकार ने लागत पर 50 प्रतिशत के फार्मूले के आधार पर एमएसपी देने से इनकार कर दिया था, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों को यह दिया है।

चौहान ने कहा, ''कई मित्र (सदस्य) एमएसपी की बात कर रहे थे। आपने (कांग्रेस) कितनी एमएसपी दी थी? क्या दृष्टिकोण था? स्वामीनाथन आयोग ने जब लागत पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़कर एमएसपी देने की सिफारिश की थी तो (तत्कालीन) संप्रग सरकार ने कहा था कि यह नहीं हो सकता।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''इनके हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और हैं। यहां ये एमएसपी पर छाती पीट रहे हैं।''

कृषि मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले की प्राचीर से सिर्फ छह बार किसान का जिक्र किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 207 बार किसान का उल्लेख किया है। चौहान ने कहा कि कृषि को लेकर सरकार का तीन प्रमुख लक्ष्य -- खाद्य सुरक्षा प्रदान करना, किसान की आजीविका सुरक्षित करना और बढ़ाना तथा लोगों को पोषक आहार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि खाद्यान का उत्पान और बागवानी में रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है तथा चावल के उत्पादन में भारत अब चीन को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

# पालम में एक इमारत में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार सुबह एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से एक बुजुर्ग महिला और उनकी तीन पोतियों समेत एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महिला की एक पोती की उम्र मात्र तीन साल थी।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में तीन लोग घायल हो गए जिनमें से दो लोगों ने आग से बचने के लिए इमारत से छलांग लगाई थी। यह इमारत पालम मेट्रो स्टेशन के पास राम चौक मार्केट में है।

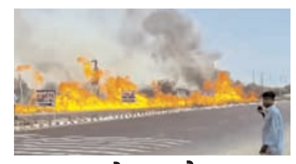

### रसायन से भरा टैंकर पलटने से लगी आग, चालक जिंदा जला

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान के जालोर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-68 पर बुधवार को रसायन से भरा टैंकर पलटने के बाद आग लगने पर टैंकर चालक जिंदा जल गया, जबकि साथ बैठा उसका भाई समय रहते कूद गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा सिणवाड़ा ओवरब्रिज के पास जैसलमेरजामनगर राजमार्ग पर हुआ, जब बाड़मेर से सांचौर जा रहा टैंकर पलटने से उसमें भरा रसायन फैल गया और आग लग गई। पुलिस ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि राजमार्ग के कई मीटर हिस्से उसकी चपेट में आ गए, जिसकी वजह से एक तरफ का यातायात बाधित हो गया।

## इंदौर में ईवी के 'चार्जिंग प्वाइंट' में विस्फोट के बाद मकान में आग लगने से आठ लोगों की मौत

**इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** इंदौर में तीन मंजिला मकान के बाहर बुधवार तड़के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को चार्ज किए जाने के दौरान हुए धमाके के बाद इस इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के दो बच्चों और तीन महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदेश सरकार ने विशेषज्ञों की समिति से इस घटना की विस्तृत जांच कराए जाने और ईवी चार्ज करने के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कराए जाने की घोषणा की है।

**तेल की कीमतों में उछाल के बीच**

# ईरान युद्ध में दोनों पक्षों ने ऊर्जा सुविधाओं पर हमले तेज किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**दुबई/एपी।** इजराइल ने बुधवार को ईरान के नेताओं को निशाना बनाने का अपना अभियान जारी रखा, जिसमें देश के खुफिया मंत्री की हत्या कर दी गई और एक ईरानी अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर हमला किया गया, जो क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा मानी जाने वाली ऊर्जा पर दोनों पक्षों से बढ़ते युद्ध के दबाव का संकेत है।

ईरान 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से खाड़ी अरब देशों के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बना रहा है और उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को (जिससे होकर दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है) लगभग बाधित कर दिया है। बुधवार को ईरान ने सऊदी अरब के उस प्रांत पर हमला किया जहां कई तेल क्षेत्र स्थित हैं और उसने कतर और संयुक्त अरब अमीरात में भी तेल और गैस अवसंरचनाओं पर हमले तेज करने की धमकी दी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की कीमत 108 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच जाने के साथ (युद्ध की शुरुआत के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि) गैसोलीन और अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ रही हैं, जिससे दुनिया भर के उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव पड़ रहा है।

ट्रंप प्रशासन तेल की आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को कम करने के तरीकों की तलाश कर रहा है, बुधवार को अमेरिकी वित्त विभाग ने वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी और कहा कि अमेरिकी कंपनियों को देश की सरकारी तेल और गैस कंपनी के साथ व्यापार करने की अनुमति दी जाएगी।

### इजराइली हमले में ईरान के खुफिया मामलों के मंत्री इस्माइल खतीब की मौत

**दुबई/एपी।** इजराइल द्वारा ईरान के नेताओं को निशाना बनाने के लिए की जा रही कार्रवाई में बुधवार को उसके खुफिया मामलों के मंत्री इस्माइल खतीब की मौत हो गई। इजराइल ने इसके साथ ईरान के एक अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर हमला किया, जो क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा, ऊर्जा पर दोनों पक्षों से बढ़ते युद्ध के दबाव का संकेत है। इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा कि ईरान के खुफिया मामलों के इस्माइल खतीब रात भर चले हमले में मारे गए और उन्होंने आगे भी 'चौंकाने वाली खबरें' आने का दावा किया। ईरान ने फारस की खाड़ी के अपने पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले करके जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तेल अवीव के पास दो लोग मारे गए।

## रूस और ईरान नफरत के मामले में भाई-भाई हैं : जेलेंस्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लंदन/एपी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को रूस और ईरान को ''नफरत के मामले में भाई-भाई'' बताया और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से ऐसे वक्त में समर्थन मांगा जब पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण अमेरिका की मध्यस्थता वाली रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

जेलेंस्की ने देश के सहयोगियों से अपील की कि वे यूक्रेन को न भूलें और सुझाव दिया कि अमेरिका एवं अन्य देश पश्चिम एशिया के संघर्ष में यूक्रेन की ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने तेल राजस्व में वृद्धि के माध्यम से रूस की सुस्त अर्थव्यवस्था में फिर से जान फूंक दी है।

ब्रिटेन की संसद में जेलेंस्की ने कहा, ''रूस और ईरान की सरकारें नफरत के मामले में भाई-भाई हैं और इसीलिए वे हथियारों के मामले में भी भाई-भाई हैं। हम चाहते हैं कि नफरत पर आधारित सरकारें कभी किसी भी चीज में जीत हासिल न कर सकें।'' लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में जेलेंस्की से बातचीत के दौरान स्टार्मर ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को ईरान संघर्ष से लाभ नहीं मिलना चाहिए, चाहे वह तेल कीमतों में बढ़ोतरी हो या प्रतिबंधों में ढील।

यह बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिका ने वैश्विक आपूर्ति के दबाव को कम करने के लिए रूसी तेल पर कुछ प्रतिबंध अस्थायी रूप से हटा दिए।

जेलेंस्की और कुछ अन्य यूरोपीय नेताओं ने अमेरिका के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि इससे मॉस्को को आर्थिक लाभ मिलेगा।

जेलेंस्की ने बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की और ब्रिटिश संसद में ड्रोन एवं एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया।

## पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ अभियान में 'अस्थायी विराम' की घोषणा की

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान ने ईद के मद्देनजर और कई देशों के अनुरोध पर बुधवार को अफगान तालिबान के खिलाफ जारी अभियान में 'अस्थायी विराम' की घोषणा की। इससे एक दिन पहले ही अफगानिस्तान की सरकार ने काबुल में एक अस्पताल पर हमले में 400 लोगों की हत्या का आरोप इस्लामाबाद पर लगाया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सीमा क्षेत्र में तालिबान के कथित ठिकानों पर पाकिस्तान द्वारा नए हमले किए जाने के कुछ घंटों बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, ''आगामी ईद-उल-फितर को देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब, कतर और तुर्की जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर जारी अभियान ऑपरेशन 'ग़जब-लिल-हक' के बीच अस्थायी विराम की घोषणा करने का निर्णय लिया है।'' तरार ने कहा कि यह विराम ''18/19 मार्च की मध्यरात्रि से 23/24 मार्च की मध्यरात्रि'' तक लागू रहेगा।

# डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित सामग्री से महिलाओं और बच्चों के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने हाल में खबरों में आए एक विवादास्पद गीत का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया, जिस पर सरकार ने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर इस तरह की सामग्री से महिलाओं और बच्चों के संरक्षण के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

सपा सांसद भदौरिया ने नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माये गए एक विवादास्पद गीत का उल्लेख प्रश्नकाल में किया। उन्होंने पूरक प्रश्न में पूछा कि ''अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न माध्यमों से समाज में परोसी जा रही अश्लीलता को तत्काल रोकने के लिए क्या सरकार कोई कदम उठाएगी।''

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने उत्तर में बताया कि सदस्य ने जिस गाने के बारे में बात की है, उस पर पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा, ''अभिव्यक्ति की आजादी में संविधान निर्माताओं ने जो तर्कसंगत पाबंदियां लगाई हैं, हमें उनके हिसाब से ही चलना चाहिए। समाज और संस्कृति के संदर्भ में अभिव्यक्ति की आजादी का ध्यान रखना चाहिए।''

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा डिजिटल माध्यमों से चीजें बहुत तेजी से फैलती हैं और उनसे समाज और विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों एवं वंचित वर्गों के संरक्षण के लिए जो भी कड़े कदम उठाने होंगे, उन्हें उठाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

# भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2035 तक 300 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक करीब तीन गुना होकर 120 अरब डॉलर और 2035 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि कृत्रिम मेधा (एआई), मोटर वाहन क्षेत्र और डेटा सेंटर के तेजी से विस्तार से प्रेरित होगी। लेखा एवं परामर्श कंपनी डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'टेक्नोलॉजी, मीडिया एंड टेलीकम्युनिकेशंस प्रेडिक्शंस 2026' रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में भारत अपनी 90 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर जरूरतों का आयात करता है, लेकिन 2035 तक इसमें बड़ा बदलाव आने की संभावना है। घरेलू उत्पादन तब तक देश की 60 प्रतिशत से अधिक मांग को पूरा कर सकता है।

रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 45-50 अरब डॉलर के बीच आंका गया है। पिछले तीन वर्ष में इसकी वार्षिक वृद्धि दर करीब 20 प्रतिशत रही है। एआई, मोटर वाहन, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के दम पर बाजार 2030 तक 120 अरब डॉलर और 2035 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल फोन, मोटर वाहन, कंप्यूटिंग व डेटा सेंटर जैसे क्षेत्र 2035 तक देश की कुल सेमीकंडक्टर मांग का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनेंगे। अब तक इस क्षेत्र में 10 स्वीकृत परियोजनाओं के जरिये 19 अरब डॉलर से अधिक का निवेश आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगले पांच वर्ष में इस उद्योग में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश आने का अनुमान है जबकि 2030 से 2035 के बीच 75-80 अरब डॉलर का निवेश और हो सकता है जिससे पूरे परिवेश का विस्तार होगा। इस विस्तार से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी होगा। 2035 तक इस क्षेत्र में करीब 20 लाख नौकरियां उत्पन्न होने का अनुमान है जिनमें 30 प्रतिशत विनिर्माण, 30 प्रतिशत डिजाइन सेवाओं और 40 प्रतिशत अन्य मूल्य शृंखला गतिविधियों में होंगी।

रिपोर्ट में हालांकि आगाह किया गया है कि इस प्रगति को बनाए रखने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी होगा। इसके लिए नीतिगत ढांचे को समयबद्ध प्रोत्साहन योजना से आगे बढ़ाकर स्थायी राष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलने और केंद्र व राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

# यूरेनियम खनन की दो नई परियोजनाएं मंजूरी के चरण में : जितेंद्र सिंह

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को बताया कि यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) राजस्थान के सीकर जिले के रोहिल और छत्तीसगढ़ के जाजवाल में 2,500 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला यूरेनियम खनन और प्रसंस्करण संयंत्र लगाने जा रहा है। सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि ये खनन परियोजनाएं वैधानिक मंजूरियां प्राप्त करने के अलग-अलग चरणों में हैं। उन्होंने कहा, ''यूसीआईएल, जो परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और जिसे देश में यूरेनियम अयस्क के खनन और प्रसंस्करण का काम सौंपा गया है, उसने यूरेनियम खनन की देशज क्षमता को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।'' मंत्री ने कहा कि यूसीआईएल ने 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप नई यूरेनियम खनन परियोजना शुरू करने की योजना बनाई है।

# निर्माणाधीन 85 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तीन साल से अधिक विलंबित : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि निर्माणाधीन 85 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं कानूनी और भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दों सहित विभिन्न कारणों से तीन साल से अधिक विलंबित हैं।

सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने विलंब और लागत में वृद्धि से बचने के लिए विभिन्न पहल की हैं।

गडकरी ने कहा, ''उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में, निर्माणाधीन 85 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण, वैधानिक मंजूरी, उपयोगिता स्थानांतरण, अतिक्रमण और कानून व्यवस्था संबंधी मुद्दों जैसी विभिन्न समस्याओं के कारण तीन साल से अधिक विलंबित हैं।'' उन्होंने कहा कि अन्य कारणों में ठेकेदार की कार्यान्वयन क्षमता को प्रभावित करने वाला वित्तीय संकट, ठेकेदार का खराब प्रदर्शन और कोविड-19 महामारी, कानून में परिवर्तन जैसी अप्रत्याशित घटनाएं शामिल हैं। गडकरी ने कहा कि सरकार ने देरी और लागत में वृद्धि को रोकने के लिए विभिन्न पहल की हैं। इन प्रयासों में सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) और 'जीआईएस' आधारित भूमि अधिग्रहण योजना के साथ एकीकृत ''भूमि राशि'' पोर्टल का उपयोग करके भूमि अधिग्रहण और मुआवजे की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, वन और पर्यावरण संबंधी मंजूरी में तेजी लाने के लिए 'परिवेश' पोर्टल को नया रूप देना, परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं की समीक्षा और समाधान के तंत्र का लाभ उठाना शामिल है।

# अहमदाबाद के थोक कपड़ा बाजार में लगी आग, करीब 25 दुकानें जलकर खाक हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अहमदाबाद/भाषा।** गुजरात के अहमदाबाद स्थित कालूपुर इलाके में बुधवार अपराह्न एक थोक कपड़ा बाजार में आग लगने से 25 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अमित डोंगरे 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग लगने की सूचना अपराह्न 1.35 बजे मिली और आग बुझाने के लिए रेवड़ी बाजार में लगभग 36 दमकल गाड़ियां भेजी गईं। उन्होंने बताया कि आग ने कपड़ा बाजार की 25 से अधिक दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, इस आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डोंगरे के मुताबिक आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन दुकानों में बड़ी मात्रा में कपड़े होने की वजह से आग तेजी से फैली। अहमदाबाद का रेवड़ी बाजार भीड़-भाड़ वाला कपड़ों का एक थोक बाजार है।

# ठाणे पुलिस ने 2017 के जबरन वसूली मामले में गैंगस्टर रवि पुजारी को गिरफ्तार किया

**ठाणे/भाषा।** ठाणे पुलिस ने 2017 के जबरन वसूली और गोलीबारी के मामले में जेल में बंद गैंगस्टर रवि पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है और स्थानीय अदालत से उसकी हिरासत प्राप्त कर ली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गैंगस्टर(57) को बुधवार को एक विशेष मकोका अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उसे 27 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, ठाणे अपराध शाखा के जबरन वसूली विरोधी प्रकोष्ठ ने मंगलवार को उसे बेंगलूरु के परप्पना अग्रहरा केंद्रीय जेल से हिरासत में लिया और शहर में ले आई। पुजारी कर्नाटक के उडुपी का रहने वाला है और कई वर्षों से विदेश से अपना धंधा चला रहा था। उसको 2020 में सेनेगल से भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया है, आरोपी रवि पुजारी ने 2017 में एक निर्माण व्यवसायी से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। उसने फिरौती न मिलने पर व्यवसायी को जान से मारने की धमकी दी और बाद में अपने गुर्गों को पीड़ित के कार्यालय पर गोलीबारी करने के लिए भेजा। कासारवडवली पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 385 (जबरन वसूली), 387 (जबरन वसूली के लिए मृत्युदंड का भय) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में, इस मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की कड़ी धारा भी लगाई गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक के उडुपी निवासी पुजारी के खिलाफ लगभग 44 गंभीर अपराध दर्ज हैं।

# पालम में एक इमारत में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार सुबह एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से एक बुजुर्ग महिला और उनकी तीन पोतियों समेत एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महिला की एक पोती की उम्र मात्र तीन साल थी।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में तीन लोग घायल हो गए जिनमें से दो लोगों ने आग से बचने के लिए इमारत से छलांग लगाई थी। यह इमारत पालम मेट्रो स्टेशन के पास राम चौक मार्केट में है। इमारत के 'बेसमेंट', भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े तथा सौंदर्य प्रसाधन का शोरूम था, जबकि शोरूम के मालिक राजेंद्र कश्यप का परिवार दूसरी और तीसरी मंजिल पर रहता था।

पड़ोसियों ने बताया कि आग शुरू में पहली मंजिल पर लगी थी लेकिन तेजी से फैल गई। संभवतः दुकान में मौजूद अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ इत्र और अन्य सौंदर्य उत्पादों के कारण आग फैली। स्थानीय बाजार संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र अपनी पत्नी, पांच बेटों, एक बेटी, चार बहुओं और सात पोते-पोतियों के साथ उस इमारत में रहते थे।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद नहीं थे। कश्यप गोवा में थे, जबकि उनका एक बेटा और उसका परिवार छुट्टी मनाने बाहर गए हुए थे।

मृतकों की पहचान राजेंद्र की पत्नी लाडो (70), उनके बेटे प्रवेश (33) और कमल (39), कमल की पत्नी आशु (35) और उनकी तीन बेटियों के रूप में हुई। उनकी तीन बेटियों की उम्र 15, छह और तीन साल थी।

पुलिस ने बताया कि लाडो की बेटी हिमांशी (22) और बहू दीपिका (28) की भी इस अग्निकांड में मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि राजेन्द्र और लाडो का बेटा अनिल (32) अपनी दो साल की बेटी को तीसरी मंजिल पर सीढ़ी से उतारने की कोशिश कर रहा था, तभी वह नीचे गिर गई। इसके तुरंत बाद उसने खुद भी छलांग लगा दी।

इस घटना में वह दोनों घायल हो गए, जिनका इलाज किया जा रहा है।

आग से बचने के लिए पास की एक इमारत में कूदा सचिन (29) भी घायल हो गया और उसका सफदरजंग अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

सचिन लगभग 25 प्रतिशत झुलस चुका है।

पालम गांव थाने को सुबह सात बजकर चार मिनट पर इमारत में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

एक व्यापक अग्निशमन और बचाव अभियान के तहत पुलिस, बीएसईएस, वायुसेना पुलिस और एनडीआरएफ के कर्मियों के साथ लगभग 30 दमकल गाड़ियां और 11 एम्बुलेंस सेवा में लगाई गईं हैं।

घटनास्थल से प्राप्त दृश्यों में देखा जा सकता है कि इमारत से काले धुएं के घने गुबार उठ रहे हैं, जबकि आग की लपटों ने इमारत के कुछ हिस्सों को अपनी चपेट में लिया है। ऐसे में अग्निशमन दल को भीड़ वाले बाजार क्षेत्र में आग बुझाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

अपराह्न करीब दो बजकर 20 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया और उसके बाद शीतलन अभियान शुरू किया गया।

पुलिस ने बताया कि इलाके में घेराबंदी कर दी गई है और घटनास्थल का मुआयना करने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है और जांच की जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शी गुरपाल सिंह ने बताया कि आग सुबह करीब छह बजकर 15 मिनट पर लगी। उन्होंने बताया कि दुकान में एक ब्यूटी पार्लर भी था जिसमें बड़ी मात्रा में सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद रखे थे, इसलिए आग तेजी से फैल गई।

# सरकारी बैंकों में नौकरी चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अच्छा ''क्रेडिट स्कोर'' आवश्यक : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने संसद को बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को अंतिम चयन के लिए विचार किए जाने हेतु अच्छा ''क्रेडिट स्कोर'' बनाए रखना आवश्यक है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी है जो सदस्य बैंकों की आवश्यकताओं के अनुसार भर्ती परीक्षाएं आयोजित करती है। चौधरी ने कहा कि आईबीपीएस द्वारा आयोजित सामान्य भर्ती प्रक्रिया (सीआरपी) के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वे सहभागी बैंकों में शामिल होने के समय बेहतर 'क्रेडिट' इतिहास बनाए रखें और न्यूनतम 'क्रेडिट स्कोर' सहभागी बैंकों की समय-समय पर संशोधित नीति के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, यह आवेदन करने के लिए पूर्व शर्त नहीं है और बैंक में खाता नहीं रखने वाले / बिना 'क्रेडिट' इतिहास वाले उम्मीदवारों पर लागू नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, वे उम्मीदवार जिनकी 'क्रेडिट' स्थिति को 'सिबिल' या अन्य समान एजेंसियों के साथ शामिल होने की तारीख से पहले अद्यतन नहीं किया गया है, उन्हें या तो स्थिति को अद्यतन करना होगा या ऋणदाता से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

# बजट की राशि तक खर्च नहीं कर पा रही मप्र सरकार, ले रही 'कर्ज पर कर्ज': कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भोपाल/भाषा।** कांग्रेस ने बुधवार को मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधा और कहा कि एक तरफ तो वह विकास के नाम पर 'कर्ज पर कर्ज' ले रही है, वहीं दूसरी ओर बजट की राशि को सही समय पर खर्च करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह ने दावा किया है कि वित्त वर्ष खत्म होने में मात्र 12 दिन बचे हैं, लेकिन सरकार अब भी बजट का 33 प्रतिशत यानी लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए खर्च नहीं कर पाई है। उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पूरे साल हाथ पर हाथ धरे बैठी सरकार अब आखिरी पखवाड़े में इस भारी-भरकम राशि को अनाप-शनाप तरीके से 'ठिकाने लगाने' की तैयारी में है। उन्होंने कहा, यह सीधे तौर पर जनता के पैसे की बर्बादी और भ्रष्टाचार का संकेत है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सिंह ने कहा कि राज्य की आर्थिक हालत इतनी खराब है कि पिछले एक हफ्ते ही उसने 9,900 करोड़ रुपए का नया कर्ज लिया है। एक बयान में उन्होंने दावा किया कि प्रदेश पर कुल कर्ज का बोझ अब पांच लाख दस हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है और आने वाले समय में हर नागरिक पर कर्ज का भारी बोझ होगा। उन्होंने कहा कि खुद नीति आयोग ने सरकार की बढ़ती उधारी और कम राजस्व वसूली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, कृषि और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों में भी बजट का पूरा उपयोग न होना सरकार की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है।

# गुजरात में 1,800 से अधिक गौशाला, लेकिन सरकार कोई सहायता राशि नहीं दे रही : कांग्रेस सांसद

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस की एक सांसद ने गुजरात में 1,800 से अधिक गौशाला होने का उल्लेख करते हुए दावा किया कि सरकार इनके लिए कोई सहायता नहीं दे रही है और उन्होंने हर गाय के लिए राशि देने की मांग की।

कांग्रेस की गनिबेन ठाकोर ने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि उनकी पार्टी गाय को ''राज्य माता'' घोषित करने के लिए गुजरात विधानसभा में एक निजी विधेयक लेकर आई है, लेकिन भाजपा इस संबंध में चर्चा करने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''वे (भाजपा) केवल गाय के नाम पर वोट मांगते हैं लेकिन गायों के लिए कोई भी सहायता देने को तैयार नहीं हैं।'' बनासकांठा से कांग्रेस सांसद ने कहा, ''गुजरात में 1,800 से अधिक गौशाला हैं, और 200 से अधिक गौशाला केवल बनासकांठा में हैं, लेकिन इनके लिए कोई भी सहायता सरकार नहीं दे रही है।'' उन्होंने हर गाय की देखभाल के लिए 100 रुपए दिए जाने की मांग की।

# इंदौर में ईवी के 'चार्जिंग प्वाइंट' में विस्फोट के बाद मकान में आग लगने से आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** इंदौर में तीन मंजिला मकान के बाहर बुधवार तड़के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को चार्ज किए जाने के दौरान हुए धमाके के बाद इस इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के दो बच्चों और तीन महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''मध्यप्रदेश के इंदौर में हुए अग्निकांड में लोगों के हताहत होने से मैं अत्यंत व्यथित हूं। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' उन्होंने इस घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और हर घायल को 50,000-50,000 रुपए की सहायता राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) के जरिये देने की घोषणा की। इस बीच, प्रदेश सरकार ने विशेषज्ञों की समिति से इस घटना की विस्तृत जांच कराए जाने और ईवी चार्ज करने के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कराए जाने की घोषणा की है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कुंदन मंडलोई ने बताया कि ब्रजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के एक मकान में बुधवार तड़के 03:30 बजे से 04:30 बजे के बीच आग लगी। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि इस घटना में मारे गए आठ लोगों के शव एक सरकारी अस्पताल में लाए गए हैं और उनका पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। घनघोरिया ने बताया कि मृतकों की पहचान तन्मय (छह), राशि सेठिया (12), सिमरन (30), टीनू (35), सुमन सेठिया (60), विजय सेठिया (65), छोटू सेठिया (22) और मनोज (65) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, ''आग लगने के बाद बचाए गए दो लोगों को भी अस्पताल लाया गया था। हालांकि, उन्होंने प्राथमिक उपचार के बाद अपना इलाज दूसरे अस्पताल में कराने की इच्छा जताई जिसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।''

### तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

# द्रमुक और सीपीआर्स के बीच सीटों के बंटवारे पर समझौता, वामपंथी सहयोगी को एक सीट कम मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच डीएमके ने बुधवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के साथ सीट बंटवारे का समझौता अंतिम रूप दिया है। इस समझौते के तहत सीपीआई को 5 विधानसभा सीटें दी गई हैं, जो 2021 के चुनाव में लड़ी गई 6 सीटों से एक कम है। यह समझौता मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और सीपीआई के राज्य सचिव वीरापांडियन की मौजूदगी में औपचारिक रूप से साइन किया गया। इसे आगामी चुनाव से पहले डीएमके गठबंधन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राज्य में सियासी गतिविधियां तेजी से बढ़ गई हैं। सभी प्रमुख दल अपने-अपने गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। गठबंधन का नेतृत्व कर रही डीएमके ने अपने सहयोगी दलों के साथ कई दौर की बातचीत कर रही थी ताकि सीटों का संतुलन बनाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक सीपीआई ने शुरुआत में पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटों की मांग की थी। हालांकि, तीन दौर की बातचीत के बाद पार्टी ने गठबंधन की मजबूती और अन्य सहयोगियों को जगह देने की जरूरत को देखते हुए कम सीटों पर सहमति जताई। समझौते के बाद सीपीआई नेताओं ने कहा कि इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा और उसके सहयोगियों को हराना है। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या कम होने से कुछ कार्यकर्ताओं को निराशा हो सकती है, लेकिन एकजुट धर्मनिरपेक्ष मोर्चा बनाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एक वरिष्ठ सीपीआई नेता ने कहा, हमारा फोकस भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को हराना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना है। सीपीआई हमेशा से आम लोगों, मजदूरों और वंचित वर्गों की आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। बताया जा रहा है कि डीएमके नेतृत्व ने अपने सहयोगियों से गठबंधन के विस्तार के कारण कम सीटों पर सहमत होने का आग्रह किया था। सीपीआई का 5 सीटों पर समझौता करना एक रणनीतिक फैसला माना जा रहा है, ताकि गठबंधन एकजुट बना रहे। वहीं, सीपीआई (एम) के साथ अभी बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि सीपीआई (एम) ने भी 2021 के मुकाबले ज्यादा सीटों की मांग की है और इस पर चर्चा आगे भी जारी रहेगी।

गठबंधन के तहत कांग्रेस को करीब 28 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि एमडीएमके, आईयूएमएल और मनिथनेया मक्कल कच्ची (एमएमके) जैसे अन्य सहयोगी दलों को कम सीटें मिल सकती हैं।

सीपीआई के साथ समझौता होने के बाद डीएमके अब अपने सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गई है, जिससे 23 अप्रैल को एक चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए संयुक्त और संगठित अभियान का रास्ता साफ हो गया है।

# तमिलनाडु चुनाव के लिए 800 करोड़ आवंटित, सीसीटीवी निगरानी और वोटर संपर्क पर फोकस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई** । तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए एक बड़े कदम के तौर पर तमिलनाडु सरकार ने राज्य में चुनाव से संबंधित गतिविधियों के लिए 800 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की है। यह आवंटन कई तरह की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के प्रबंधन, बुनियादी ढांचे और मतदाता जागरूकता करने के लिए है। खर्च का एक मुख्य हिस्सा मतदान कर्मचारियों का पारिश्रमिक है, विशेष रूप से बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) का जो जमीनी स्तर पर चुनाव प्रबंधन की रीढ़ होते हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि मतदान के दिन की ड्यूटी के लिए तैनात बीएलओ को भुगतान करने पर ही लगभग 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए चुनाव विभाग ने किराए के आधार पर एक लाख आईपी-आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये कैमरे पूरे राज्य में 75,032 मतदान केंद्रों पर लगाए जाएंगे, जिससे वास्तविक समय में निगरानी हो सकेगी और सतर्कता तंत्र मजबूत होगा। केवल चेन्नई जिले में ही 4,079 मतदान केंद्र हैं, जो तमिलनाडु में सबसे ज्यादा हैं। मतों की गिनती की तैयारी में अधिकारी सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने के लिए लगभग 45 से 46 मतगणना केंद्र स्थापित कर रहे हैं। प्रत्येक केंद्र मजबूत बुनियादी ढांचे से लैस होगा, जिसमें सुरक्षित स्ट्रांग रूम भी शामिल होंगे, जहां मतदान समाप्त होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और कंट्रोल यूनिट कड़ी निगरानी में रखी जाएंगी।

किसी भी तरह अनाधिकृत पहुंच को रोकने के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होने की उम्मीद है। लॉजिस्टिक्स की तैयारियों के साथ ही चुनाव विभाग अपने 'व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी' (एसवीईईपी) कार्यक्रम के माध्यम से मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मतदाता जागरूकता कंटेंट तैयार करने वाले व्यक्तियों और मीडिया संगठनों को 50,000 रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य मतदाताओं की संख्या में सुधार करना और सूचित भागीदारी को बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने कहा कि व्यापक योजना, उन्नत निगरानी प्रणालियों और लक्षित पहुंच प्रयासों के साथ, तमिलनाडु पारदर्शिता, दक्षता और समावेशिता पर जोर देते हुए एक महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया के लिए तैयार हो रहा है।

# करूर घटना के संबंध में सीबीआई को 'उचित जवाब' दिए गए : द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी

**चेन्नई।** द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने कहा कि उन्होंने करूर में पिछले साल हुई भगदड़ के संबंध में राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई पूछताछ के दौरान सभी सवालों के ''उचित जवाब'' दिए हैं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की 2% सितंबर 2025 को करूर में हुई रैली के दौरान भगदड़ मच गई थी जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। बालाजी ने दिल्ली से लौटने के बाद चेन्नई हवाई अड्डे पर मंगलवार रात पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि वह केंद्रीय एजेंसी के सामने एक गवाह के रूप में पेश हुए थे।

बालाजी ने कहा, ''सवाल मुख्य रूप से 27 सितंबर 2025 को करूर में हुई दुखद घटनाओं के बारे में थे। उस दौरान घटनास्थल पर मौजूद होने के नाते मैंने उनके सभी सवालों के उचित जवाब दिए हैं।''

द्रमुक नेता से जब पत्रकारों ने यह पूछा कि सीबीआई द्वारा पूछे गए सवाल किस तरह के थे या फिर दिए गए विशिष्ट उत्तरों के बारे में विस्तार से जानना चाहा तो उन्होंने कहा, ''जांच कर रही एजेंसी के पूछे गए विशिष्ट सवालों और जवाबों को सार्वजनिक रूप से प्रकट करना उचित नहीं होगा।'' बालाजी ने बताया कि वह 17 मार्च को सुबह 10:15 बजे सीबीआई कार्यालय पहुंचे और यह प्रक्रिया शाम पांच बजे समाप्त हुई। बालाजी ने 2026 के विधानसभा चुनावों में द्रमुक की जीत का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली पार्टी ने लोकसभा चुनाव की समाप्ति के तुरंत बाद ही चुनाव संबंधी तैयारियों का काम शुरू कर दिया था।

# राजग के साथ कोई 'गठबंधन' नहीं : टीवीके प्रमुख विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन के वास्ते ''वार्ता'' संबंधी दावों को ''झूठा अभियान'' बताते हुए बुधवार को खारिज कर दिया। हालांकि उन्होंने गठबंधन के संबंध में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नाम नहीं लिया। विजय ने यहां के निकट मामल्लपुरम में आयोजित एक इफ्तार कार्यक्रम में कहा कि टीवीके के गठबंधन में शामिल होने की खबरों के कारण कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

उन्होंने इस बात के संकेत दिये कि टीवीके 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में राजग के साथ गठबंधन नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ''हम इस रुख पर अडिग हैं कि (चुनावों में बड़ी जीत के बाद) सरकार का नेतृत्व हम ही करेंगे; धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को लेकर कोई समझौता नहीं होगा।'' विजय ने कहा कि टीवीके जनता की 'टीम' है और उन्होंने इस आरोप को खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी ''बी-टीम'' के रूप में काम करती है। विजय ने हालांकि इस बात का विस्तार से जिक्र नहीं किया कि किसने टीवीके को ''बी-टीम' बताया था।

पिछले लगभग पांच-छह दिनों से ऐसी खबरें हैं कि टीवीके राजग के साथ समझौता कर लेगा। यह दावा किया गया था कि आंध्र प्रदेश के सफल जन सेना-तेदेपा मॉडल' को तमिलनाडु में आजमाया जा रहा है और विजय पवन कल्याण की तरह उपमुख्यमंत्री बनेंगे। जहां एक ओर सीटीआर निर्मल कुमार समेत टीवीके नेताओं ने राजग के साथ गठबंधन की संभावना को पहले ही खारिज कर दिया है, वहीं विजय ने खुद पहली बार स्पष्ट संकेत दिए हैं कि अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा।

टीवीके नेता आधव अर्जुन ने दावा किया है कि उनकी पार्टी को राज्य के ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद और 234 विधानसभा क्षेत्रों में से ''90 सीट'' की पेशकश की गई थी। अर्जुन ने कहा था कि उनकी पार्टी दिल्ली के सामने नहीं झुकेगी'। ऐसी अटकलें हैं कि ढाई साल के मुख्यमंत्री पद का प्रस्ताव केवल भाजपा की ओर से था', क्योंकि अन्नाद्रमुक ने विजय की पार्टी के साथ गठबंधन के लिए बातचीत करने से कई बार इनकार किया था। इस बीच टीवीके के एक सूत्र ने बुधवार को बताया कि अभिनेता से नेता बने विजय आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान चेन्नई के पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। टीवीके एक सूत्र के अनुसार पार्टी आगामी चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और राजग को चुनौती देगी।

# टीवीके नेता ने अभिनेता रजनीकांत से टिप्पणी के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के महासचिव आधव अर्जुन ने अभिनेता रजनीकांत के राजनीति में प्रवेश को लेकर अपनी पिछली टिप्पणी के लिए उनसे माफी मांगी। टीवीके महासचिव ने कहा कि उनका इरादा रजनीकांत को नीचा दिखाने का नहीं था।

रजनीकांत की ओर से हुई आलोचना के बाद अर्जुन ने मंगलवार रात यहां अपनी पार्टी की एक बैठक में माफी मांगी और कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया था। अर्जुन ने कोलाथुर में पार्टी की बैठक में कहा, ''मेरा मकसद रजनीकांत को नीचा दिखाना नहीं था, जो मेरे नेता (अभिनेता-राजनेता विजय) के भी नेता हैं। मैंने तो बस इतना कहा था कि यह द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की साजिश है। मुझे लगता है कि उन्होंने मेरी बात को गलत समझा।'' अर्जुन ने कहा, ''मेरे कहने का मतलब यह नहीं था कि रजनीकांत डरे हुए थे। मुझे लगता है कि मेरे बयान से उन्हें ठेस पहुंची होगी... मेरा इरादा कुछ और था। अगर मेरी बात को गलत समझा गया है, तो मैं खुले तौर पर खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं।'' उन्होंने कहा कि रजनीकांत से काफी छोटा होने के कारण, उन्हें

अपनी युवावस्था में चुनाव संबंधी काम करने का अवसर मिला, और एक सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि राजनीतिक करियर की शुरुआत की घोषणा के तुरंत बाद रजनीकांत के पक्ष में 18 प्रतिशत वोट दिखने लगे थे। अर्जुन ने दावा किया कि यह एक असाधारण घटना थी और इसने रजनीकांत के विरोधियों में भय पैदा कर दिया। रजनीकांत ने 17 मार्च को अर्जुन के इस आरोप का जवाब देते हुए इसे असत्य बताया कि जब उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने का प्रयास किया तो द्रमुक ने उन्हें धमकी दी थी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने बयान में कहा, ''समय बोलता नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करता है और जवाब देता है।'' अपने संक्षिप्त बयान में रजनीकांत ने उन सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, मंत्रियों, शुभचिंतकों और प्रशंसकों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस विवाद में उनका साथ दिया।

रजनीकांत पर अर्जुन की टिप्पणी के परिणामस्वरूप शीर्ष अभिनेता के प्रशंसकों, अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. पलानीस्वामी, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, राज्य मंत्री एस रघुपति, भाजपा प्रदेश प्रमुख नैनार नागेंद्रन और रजनीकांत के पूर्व सलाहकार रा. अर्जुनमूर्ति की कड़ी प्रतिक्रिया आई। राज्य सरकार के खिलाफ 12 मार्च को विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए अर्जुन ने आरोप लगाया कि रजनीकांत ने जब राजनीति में आने की कोशिश की तो द्रमुक ने उन्हें धमकाया। उन्होंने कहा कि वह रजनीकांत की आलोचना नहीं कर रहे थे, बल्कि यह बताना चाहते थे कि टीवीके के संस्थापक विजय में इस तरह के दबाव का सामना करने का साहस था।

### प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

**कोयम्बटूर।** मंगलवार को शाम राजग पक्ष द्वारा आयोजित एक विशाल द्रमुक सरकार के कार्यों के विरोध जन सभा में सभी दल के लोगों ने भाग लिया। सभी ने राज्य की द्रमुक सरकार की विफलताओं की निंदा करते हुए महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर रोक लगाने में असफलता, बिगड़ी कानून व्यवस्था की स्थिति को ठीक करने में नाकाम होने की बात कही। इस मौके पर पूर्व भाजपा राज्याध्यक्ष अन्नामलाई, पूर्व राज्य मंत्री एसपी वेलुमणि, भाजपा महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक वनाति श्रीनिवासन, गौंडमपालयम निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पी.आर.जी. अरुणकुमार भी उपस्थित कोयंबटूर उत्तर के विधायक अम्मन अर्जुनन; अन्नाद्रमुक के चुनाव विंग सचिव एवं तिरुपुर जिला सचिव पोल्लाची विधायक जयरामन; किनाथुकाडावु के विधायक दामोदरन; सुलूर के विधायक वी.पी. कंदसामी आदि अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

# केरल विधानसभा चुनाव : नेमोम सीट पर सरगर्मी बढ़ी, खोया जनाधार वापस पाने में जुटी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम।** केरल में हाल में संपन्न स्थानीय निकाय चुनाव में राज्य में निगम में अपनी पहली जीत से उत्साहित भाजपा, नेमोम निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें तिरुवनंतपुरम शहर और उसके बाहरी इलाके के कुछ हिस्से आते हैं। इस सीट से भाजपा को राज्य से अपना पहला विधायक मिला था जब उसके वरिष्ठ नेता ओ राजगोपाल ने 2016 के विधानसभा चुनाव में यहां से जीत दर्ज की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने चुनाव की घोषणा से काफी पहले ही नेमोम निर्वाचन क्षेत्र से अपनी दावेदारी जता दी थी और अब 2026 के चुनाव में उनका लक्ष्य सिर्फ जीत हासिल करना है।

नेमोम में 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों के मतदान रुझानों की तुलना से पता चलता है कि तीनों प्रमुख मोर्चों के समर्थन आधार में बदलाव आया है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर 2016 के उच्च स्तर से घटा, जबकि वाम दलों और कांग्रेस ने अपनी स्थिति मजबूत की। वहीं, भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से एकत्रित बूथ-स्तरीय आंकड़ों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में, भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर ने तिरुवनंतपुरम संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में से नेमोम में सबसे अधिक मत प्रतिशत हासिल किया था और उन्हें 45 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता और मौजूदा विधायक वी. शिवनकुट्टी ने कहा है कि भाजपा इस निर्वाचन क्षेत्र में अपना खाता दोबारा नहीं खोल पाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर नेमोम में भाजपा के साथ समायोजन की राजनीति करने का आरोप लगाया, जहां कांग्रेस ने अभी तक किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। माकपा लंबे समय से कांग्रेस पर 2016 में क्रॉस-वोटिंग का आरोप लगाती रही है और उसका दावा है कि उसके चलते ही भाजपा के वरिष्ठ नेता राजगोपाल पहली बार यह सीट जीतने में सफल रहे थे। हालांकि, 2021 के चुनाव में, शिवनकुट्टी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा एक चुनावी रैली में कहे गए कथन को सच कर दिखाया कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उक्त चुनाव में भाजपा की एकमात्र सीट भी छीन लेगा। शिवनकुट्टी ने भाजपा के के. राजशेखरन के खिलाफ 4,000 से अधिक वोट से जीत हासिल की थी और उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी उन्हें आसानी से जीत मिलेगी। इसका कारण वे राज्य और निर्वाचन क्षेत्र दोनों में एलडीएफ सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को बता रहे हैं। हालांकि, चंद्रशेखर को पार्टी के गढ़ में अपनी जीत का पूरा भरोसा है। चंद्रशेखर ने पीटीआई-वीडियो' से कहा, नेमोम के लोग बदलाव चाहते हैं। वे विधायक और सरकार के खराब प्रदर्शन से असंतुष्ट हैं। मैं पिछले पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र के विकास पर चर्चा के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि शिवनकुट्टी इसके लिए पर्याप्त रूप से सक्षम हैं।''

शिवनकुट्टी ने पोस्ट में, चंद्रशेखर को पिछले पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र के विकास की तुलना राजगोपाल के कार्यकाल (2016 से 2021) के दौरान हुए विकास से करने के लिए एक खुली बहस की चुनौती दी। भाजपा को उम्मीद है कि वह इस निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करेगी और कुछ महीने पहले हुए स्थानीय निकाय चुनाव में तिरुवनंतपुरम नगर निगम में अपने प्रदर्शन को दोहराएगी। चंद्रशेखर द्वारा निर्वाचन क्षेत्र के बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं को लुभाने के प्रयासों पर शिवनकुट्टी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी लड़ाई धर्मनिरपेक्षता के लिए है, न कि सांप्रदायिक विभाजन के लिए। चंद्रशेखर ने सोमवार रात तिरुमला में एक रोडशो के साथ चुनाव प्रचार शुरू किया, जबकि शिवनकुट्टी ने चुनाव तिथियों की घोषणा के ठीक एक घंटे बाद रविवार रात को अपना चुनाव प्रचार शुरू किया।

# निर्वाचन व्यय निगरानी समिति ने 2.37 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की : सीईओ पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के आसन्न विधानसभा चुनाव के दौरान व्यय की निगरानी के लिए तैनात अधिकारियों ने अबतक कुल 2.37 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अर्चना पटनायक ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीईओ पटनायक ने बताया कि 2.37 करोड़ रुपये की नकदी के अलावा, कीमती धातुएं और अन्य वस्तुएं भी जब्त की गई हैं। उन्होंने आगे बताया कि मतदाताओं को मुफ्त में बांटने के लिए संदिग्ध रूप से रखी गई 20.80 करोड़ रुपये की वस्तुएं और 16.42 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं जब्त की गई हैं।

पटनायक के मुताबिक अबतक 18 लाख रुपये की शराब और 2.88 करोड़ रुपये की अन्य नशीली दवाएं भी बरामद की गई हैं। सीईओ ने यहां जारी एक

आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''व्यय निगरानी टीम और एजेंसियों ने अवैध नकदी, प्रलोभन और अन्य प्रतिबंधित सामग्रियों के वितरण पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी और समन्वय तंत्र को मजबूत किया है।''

विज्ञप्ति के मुताबिक 15 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से 18 मार्च तक कुल 42.65 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी।

# तमिलनाडु चुनाव के बाद 10 मई से सुनी जाएगी पीएमके नेतृत्व विवाद की याचिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को चेन्नई नगर दीवानी अदालत को निर्देश दिया कि वह पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के आंतरिक नेतृत्व विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई तमिलनाडु चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत 10 मई के बाद करे।

पीएमके संस्थापक एस. रामदास ने नगर दीवानी अदालत में याचिका दायर कर अपने पुत्र अंबुमणि को पार्टी के नाम, झंडे या चुनाव चिह्न के उपयोग से रोकने का अनुरोध किया था। अंबुमणि ने भी इस संबंध में प्रतिवाद दायर किया है। सुनवाई के दौरान पीएमके महासचिव वदिवेल रावणन ने स्वयं को मामले में पक्षकार बनाने के लिए याचिका दायर की, जिसे उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया।

नेतृत्व विवाद पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति टी. वी. तमिलसेल्वी ने अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को हटाने से इनकार किया।

उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने पर 10 मई के बाद इस मामले की सुनवाई की जा सकती है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीट के लिए मतदान 23 अप्रैल को निर्धारित है, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

# उद्यमी प्रदेश में निवेश के अवसरों का लाभ उठाएं, राज्य की विकास यात्रा में बनें भागीदार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उद्योग और निवेश आर्थिक समृद्धि के सबसे बड़े माध्यम है तथा उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ाने के साथ ही राजस्थान की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण और निरन्तर नीतिगत सुधार किए हैं, जिससे राजस्थान औद्योगिक विकास की एक नई गाथा लिख रहा है। शर्मा ने उद्यमियों से अपील करते हुए कहा कि वे राजस्थान में निवेश के अवसरों का लाभ उठाएं, नए उद्योग स्थापित करें और राज्य के विकास की इस यात्रा में भागीदार बनें। जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति के लिए कोई कमी नहीं है और आम उपभोक्ताओं को इसके निर्बाध आपूर्ति जारी है। शर्मा बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित उद्यमी संवाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने 30 मार्च 1949 को भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इन्द्रयोग में वृहद राजस्थान की स्थापना की थी। इसीलिए हमने चैत्र शुल्क प्रतिपदा पर ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया। इसी क्रम में इस वर्ष 19 मार्च को यह गौरवशाली दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज हर क्षेत्र में नई ऊंचाईयां छू रहा है। प्रधानमंत्री भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से कार्य कर रहे हैं एवं गरीब, युवा, महिला एवं किसान के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार भी इस संकल्प को ध्येय मानते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के ठोस एवं दूरदर्शी निर्णयों से प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। हमने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' का सफल आयोजन किया। समिट में हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के कार्य धरातल पर शुरू हो चुके हैं। हाल ही में, होंडा द्वारा प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए किया गया एमओयू प्रदेश में बढ़ते हुए वैश्विक विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बीकानेर, पाली, किशनगढ़, जोधपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक पार्क विकसित किए गए हैं। वहीं, अलवर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और अजमेर में नए औद्योगिक क्षेत्र स्थापित कर भू आवंटन के लिए खोल दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट सलारपुर और बिचून में लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की निवेशपरक नीतियों के कारण राजस्थान तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। 'रिप्स 2024' के माध्यम से निवेश को बढ़ावा दिया गया है तथा भूमि उपयोग परिवर्तन की समय-सीमा 60 से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि राजनिवेश पोर्टल को राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम से जोड़कर 14 विभागों की 143 से अधिक सेवाएं एक मंच पर उपलब्ध कराई गई हैं। राज्य कौशल नीति और राजस्थान युवा नीति के माध्यम से युवाओं को सशक्त किया जा रहा है। साथ ही, निजी क्षेत्र में 3 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट 2026-27 में प्रदेश के औद्योगिक विकास और निवेश प्रोत्साहन के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं। निवेशकों की सुविधा के लिए डायरेक्ट अलॉटमेंट पॉलिसी जारी की गई है तथा सभी संभागीय मुख्यालयों पर प्लग एंड प्ले फैसेलिटी स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि 600 करोड़ रुपये से जोधपुर-पाली-मारवाड़ क्षेत्र में 3600 हेक्टेयर भूमि विकसित की जाएगी।

साथ ही, प्रवासी राजस्थानियों के लिए डोमेस्टिक एवं ओवरसीज राजस्थानी अफेयर विभाग का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सिंगल विण्डो 2.0 प्लेटफॉर्म लागू, आईएफएमएस और आरआईपीएस पोर्टल का इन्टेग्रेशन, सर्विस सेक्टर को भी रिप्स-2024 के तहत इन्टरेस्ट सबवेंशन का लाभ तथा एनर्जी ट्रांजिशन स्किलिंग क्लस्टर जैसे विभिन्न कार्य किए जाएंगे।

# राजस्थान को जल उपलब्ध कराने के लिए त्रिपक्षीय समझौते के तहत पंजाब शुल्क वसूलेगा : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/जयपुर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि पंजाब सरकार राजस्थान को पानी उपलब्ध कराने के लिए शुल्क (रॉयल्टी) वसूलेगी। मान ने 1920 के त्रिपक्षीय समझौते का हवाला देते हुए 1.44 लाख करोड़ रुपये के बकाया का उल्लेख किया। इसी समझौते के तहत पड़ोसी राज्य को पानी मिलना शुरू हुआ था। मान ने कहा कि राजस्थान ने 1960 तक पंजाब को पानी के लिए शुल्क दिया, लेकिन उसके बाद इसे बंद कर दिया। यहां संवाददाताओं से बातचीत में मान ने 1920 के त्रिपक्षीय समझौते का उल्लेख किया, जिसमें ब्रिटिश सरकार, बहावलपुर रियासत (अब पाकिस्तान में) और तत्कालीन बीकानेर के महाराजा शामिल थे, और कहा कि इसी समझौते के तहत राजस्थान को पानी मिलना शुरू हुआ।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान फीडर के माध्यम से 18,000 क्यूसेक्स पानी राजस्थान को मिल रहा है। मान ने 1920 के समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय राजस्थान को पानी उपलब्ध कराने के लिए शुल्क वसूला जाता था। उन्होंने कहा, राजस्थान ने 1960 तक शुल्क का भुगतान किया। लेकिन उसके बाद उन्होंने पैसा देना बंद कर दिया, और पंजाब ने भी इसे मांगना बंद कर दिया। उन्होंने कहा, हमने पुरानी दरों पर बकाया राशि 1.44 लाख करोड़ रुपये का हिसाब लगाया है, जो 1960 से लंबित है। अगर वे (राजस्थान) कहते हैं कि हमारे साथ कोई समझौता नहीं था, तो उन्हें 1920 के समझौते के तहत मिलने वाला पानी नहीं लेना चाहिए। मान ने पूछा, आप (राजस्थान) हमारे यहां से 18,000 क्यूसेक पानी ले रहे हैं। तो फिर आपने 66 साल से पैसा क्यों नहीं दिया? उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान सरकार को इस मामले पर चर्चा के लिए पत्र लिखा है। मान ने कहा, 1920 का समझौता अभी समाप्त नहीं हुआ है।

# महिलाएं अपनी अंतर्निहित शक्ति का उपयोग राष्ट्र विकास में करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि महिला अबला नहीं सबला हैं। यह मन में लाकर यदि महिलाएं आगे बढ़ेंगी तभी समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ेगा। राज्यपाल बागड़े बुधवार को आईआईएस यूनिवर्सिटी के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं है। उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को याद करते हुए कहा कि मात्र बीस वर्ष की उम्र में उन्होंने अंग्रेजों को चुनौती दी थी। उम्र कोई मायने नहीं रखती। मन यदि बना लें तो किसी भी बाधा से मुकाबला किया जा सकता है।

राज्यपाल ने निडरता के साथ सकारात्मक सोच रखते हुए छात्राओं को जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी रहने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता बढ़ाने, विद्यार्थी को एकाग्रता से पढ़ने के लिए प्रेरित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र समृद्धि हम सभी का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए।

राज्यपाल ने लार्ड मैकाले द्वारा देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को लागू कर देश में गुलाम मानसिकता का निर्माण करने की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से शिक्षा की वही पद्धति चली आ रही थी। भारत सरकार ने भारत को फिर से उसकी ज्ञान परंपरा से उन्नत करने के लिए नई शिक्षा नीति को देश में लागू किया। यह नीति भारत को विश्वगुरु बनाने के भाव से जुड़ी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत ऐसी शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया जिससे देश के पास मौजूद 240 करोड़ हाथों के जरिए राष्ट्र को मजबूत करने के लिए किया जाना चाहिए।

इससे पहले राज्यपाल बागड़े ने दीक्षांत समारोह में प्रदेश की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी को आईआईएस यूनिवर्सिटी की ओर से सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को दीक्षांत अवसर पर स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने अपने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने बालिका शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा के साथ अवसर प्रदान करने की सोच से कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि महिलाएं आज सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने छात्राओं को भविष्य के अवसरों का भरपूर उपयोग करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. अशोक गुप्ता का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा के लिए संस्थान की स्थापना कर उन्होंने अनुकरणीय पहल की। चांसलर अमित गुप्ता और कुलगुरु टी. एन. माथुर ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

# राजस्थान के कई हिस्सों में आंधी-बारिश व ओलावृष्टि होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में बुधवार से बारिश होने और आंधी चलने की संभावना है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि का भी पूर्वानुमान है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र ने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 18 मार्च को दक्षिण पश्चिम राजस्थान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर परिसंचरण तंत्र बनने की पूरी संभावना है। इसके असर से 18-20 मार्च को कुछ स्थानों पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व बारिश होने तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने का अनुमान है। उसने बताया कि बुधवार को जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में कहीं-कहीं आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। शेष भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। वहीं, 19-20 मार्च को विक्षोभ का सर्वाधिक असर रहने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर व कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में बादल गरजने के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान चित्तौडगढ़ में 38.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान सिरोही में 13.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

# समस्या के निस्तारण के बाद रिवर्स कॉल कर संतुष्टि का फीडबैक लेने के निर्देश दिए

जयपुर/दक्षिण भारत । हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) राजेश कुमार यादव ने बुधवार को सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। एसीएस यादव ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि परिवादियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। शिकायतों पर की गई कार्यवाही की जानकारी परिवादियों को व्हाट्सएप या मैसेज के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए तथा रिवर्स कॉल कर उनसे फीडबैक भी लिया जाए। निरीक्षण के दौरान एसीएस ने कंट्रोल रूम में स्वयं परिवादियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने जयपुर, जालौर, जोधपुर एवं कोटा जिलों के परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर आरआईएसएल के समूह महाप्रबंधक जी.के. शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं।

# पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली बनाए रखना सरकार की प्रतिबद्धता है : श्रीनिवास

**बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परीक्षा को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए कहा कि इसकी योजना गंभीरता के साथ बनाई जाए तथा पर्यवेक्षी अधिकारियों का चयन किया जाए। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य हेमंत प्रियदर्शिनी ने इसे राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षा बताते हुए पुराने अनुभवों से सीख लेकर इस बार 'जीरो टॉलरेंस' के तहत शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित करने पर बल दिया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार निष्पक्ष एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के प्रति प्रतिबद्ध है तथा पेपर लीक के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति के साथ कार्य किया जाए, ताकि स्थापित विश्वास को अक्षुण्ण रखा जा सके। मुख्य सचिव ने उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से आयोजन को लेकर सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया को सुदृढ़ निगरानी और कड़े सुरक्षा प्रबंधों के साथ संपन्न कराया जाए। 5-6 अप्रैल को होने वाली परीक्षा राज्य के 1174 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे।

मुख्य सचिव द्वारा प्रस्तावित परीक्षा के लिए सभी स्तरों पर समन्वित एवं उत्तरदायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित संभागीय आयुक्तों, जिला कलेक्टर्स एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर सतत निगरानी, प्रभावी कानून-व्यवस्था और समयबद्ध समन्वय सुनिश्चित करते हुए किसी भी प्रकार की शिथिलता न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके सुरक्षित भंडारण, परिवहन एवं समयबद्ध वितरण तथा संदिग्ध व्यक्तियों को सूचीबद्ध कर निगरानी रखने, डमी अभ्यर्थियों को रोकने की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर वीडियोग्राफी, फ्लाइंग स्क्वॉड की सक्रियता के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में साइबर कैफे एवं ई-मित्र केंद्रों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखा जाए तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध प्रभावी रूप से लागू किया जाए। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर कोड युक्त प्रवेश पत्र, फोटो पहचान एवं वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे बहु-स्तरीय उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने परीक्षा को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए कहा कि इसकी योजना गंभीरता के साथ बनाई जाए तथा पर्यवेक्षी अधिकारियों का चयन किया जाए। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य हेमंत प्रियदर्शिनी ने इसे राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षा बताते हुए पुराने अनुभवों से सीख लेकर इस बार 'जीरो टॉलरेंस' के तहत शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित करने पर बल दिया। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने अवगत कराया कि परीक्षा राज्य के 41 शहरों में 1174 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

# जयपुर के पास बोरखेड़ा तालाब में लद्दाख-मंगोलिया से आए प्रवासी पक्षी राजहंस बने आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सर्दी के जाने के साथ-साथ राजस्थान की झीलों और तालाबों से प्रवासी पक्षियों की विदाई लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन जयपुर के निकट चाकसू क्षेत्र में बोरखेड़ा गांव का तालाब इन दिनों एक अलग ही कहानी बयां कर रहा है। लद्दाख, मंगोलिया और तिब्बती पठार में पाए जाने वाले और सर्दी में उच्च हिमालय को पार कर दक्षिण एशिया की ओर प्रवास करने वाले प्रवासी पक्षी 'बार हेडेड गूज' जयपुर के निकट डेरा डाले हुए हैं। एक-दो की नहीं बल्कि 500 से अधिक 'बार-हेडेड गूज' के तीन बड़े-बड़े झुंड पक्षी प्रेमियों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. कमलेश शर्मा ने बताया कि स्थानीय बोलचाल में राजहंस के नाम से जाने-पहचाने वाले बार-हेडेड गूज सबसे ऊंचाई तक उड़ान भरने वाले पक्षियों में गिने जाते हैं। ये पक्षी 12,000 से 14,000 फुट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकते हैं और प्रतिदिन बिना रुके लगभग 1,600 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने बताया कि इनके शरीर में पाया जाने वाला विशेष प्रकार का हीमोग्लोबिन कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में भी अधिक ऑक्सीजन अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे ये हिमालय के ऊंचे दर्रों को पार कर पाते हैं। पक्षी विशेषज्ञ शर्मा ने बताया कि बोरखेड़ा तालाब का अधिकांश हिस्सा सूख चुका है, लेकिन पांच अलग-अलग हिस्सों में बचा पानी इन मेहमानों के लिए फिलहाल ठिकाना बना हुआ है। सूखते जलाशय के बीच बची छोटी-छोटी जलधाराओं में सैकड़ों बार-हेडेड गूज का झुंड दिनभर सक्रिय रहता है। ये पक्षी स्थानीय जल पक्षियों के साथ तैरते, उड़ते और जल क्रीड़ा करते दिखाई देते हैं।

एक साथ इतनी बड़ी संख्या में यहां इन पक्षियों की उपस्थिति के बारे में पर्यावरण विज्ञानी और सेवानिवृत्त वन अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा बताते हैं कि इन दिनों तापमान में उतार-चढ़ाव हो रहा है। ऐसे में कम मानवीय गतिविधि व सुरक्षित वातावरण की अनुकूलता देख पक्षी यहां रुके हुए हैं।

उन्होंने बताया कि बार हेडेड गूज पूर्णतया शाकाहारी पक्षी हैं और यहां मौजूद जलीय वनस्पतियों के साथ आस-पास के क्षेत्र में नर्म घास, खुला व सुरक्षित क्षेत्र और अपेक्षाकृत शांत वातावरण प्रवासी पक्षियों को कुछ समय और ठहरने के लिए अनुकूल परिस्थितियां प्रदान कर रहे हैं।

# उत्तर प्रदेश कानून-व्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुका है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य अब कानून-व्यवस्था के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है और भय, तनाव, अराजकता व दंगों का खतरा अब अतीत की बात बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने पर यहां लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि राज्य में सुरक्षा वातावरण में सुधार के कारण अब प्रमुख धार्मिक कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा, पहले त्योहारों के दौरान अक्सर भय, तनाव और कर्फ्यू का सामना करना पड़ता था। आज, नवरात्रि और रमजान जैसे त्योहारों को एकता और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अलविदा जुमे की नमाज और ईद जैसे मौकों पर भी शांति व्यवस्था कायम है।

आदित्यनाथ ने 'नव निर्माण के नौ वर्ष' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए यह टिप्पणी की। इस पुस्तक में उनकी सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों को रेखांकित किया गया है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था में यह परिवर्तन सरकार की नीयत, नीतियों और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोग अब नए साल और अन्य अवसरों पर भी धार्मिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से जाते हैं, जो सुरक्षा व सामाजिक विश्वास की मजबूत भावना को दर्शाता है।

# बेरोजगारी बढाने में मोदी सरकार धुरंधर, उसके पास समाधान नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि मोदी सरकार के पास बेरोजगारी जैसे 'महासंकट' का कोई समाधान नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए यह आरोप लगाया कि मोदी सरकर बेरोजगारी बढ़ाने में धुरंधर है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बेतहाशा बेरोजगारी बढ़ाने में धुरंधर मोदी सरकार। कोई ताज्जुब नहीं होता जब प्रधानमंत्री अपने चुनावी भाषणों में युवाओं द्वारा रील बनाने को अपनी सरकार की मुख्य उपलब्धि के तौर पर गिनाते हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास इसके अलावा कोई चारा भी नहीं है, क्योंकि भारत में पढ़े-लिखे, डिग्रीधारी युवाओं में बेरोजगारी के जो आंकड़े लगातार सामने आ रहे हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं; इसलिए उनमें साहस नहीं है कि वह रोजगार पर बात कर लें।

रमेश ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, '20 से 29 वर्ष की उम्र के 6.3 करोड़ स्नातक में से करीब 1.1 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। सिर्फ सात प्रतिशत स्नातक ही बेरोजगार होने के एक साल के भीतर स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाते हैं। शिक्षा में युवाओं (पुरुषों) की हिस्सेदारी 2017 में 38 प्रतिशत से घटकर 2024 के अंत तक 34 प्रतिशत हो गई।''

कांग्रेस नेता के अनुसार, आर्थिक मजबूरी के कारण युवा पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''2017 में जहां 58 प्रतिशत युवाओं ने घर की आय में सहयोग के लिए पढ़ाई छोड़ी, वहीं 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 72 प्रतिशत हो गया। ऐसी और भी कई रिपोर्ट्स लगातार सामने आ चुकी हैं।'' रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''देश की जनता को लाइन में लगाने में माहिर इस सरकार में युवा नौकरी की लाइन में लगा है, लेकिन नौकरी नहीं है। प्रधानमंत्री के पास, हर थोड़े-थोड़े दिन में ध्यान भटकाने के लिए कोई न कोई नया एजेंडा लाने के अलावा, इस महासंकट का कोई समाधान नहीं है।''

# त्रिपुरा विधानसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए भाजपा विधायक राम पाडा जमातिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अगरतला/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी के विधायक राम पाडा जमातिया बुधवार को त्रिपुरा विधानसभा के नए अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। यह पद बिस्वा बंधु सेन के निधन से खाली हुआ था। गोमती जिले के बागमा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक जमातिया ने मंगलवार को इस पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था।

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बुधवार को विधानसभा में जमातिया का नाम प्रस्तावित किया, जिसे विपक्ष की ओर से मौन के बीच ध्वनि मत से अनुमोदित कर दिया गया। भाजपा विधायकों के अलावा, भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी 'टिपरा मोथा पार्टी' (टीएमपी) और 'इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा' (आईपीएफटी) के विधायकों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए जमातिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य को यह अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मैं विपक्षी विधायकों सहित सभी सदस्यों का आभारी हूं। मैं विधानसभा को निष्पक्ष रूप से चलाने की पूरी कोशिश करूंगा।

# राज्यसभा : मोदी ने 59 सांसदों को विदाई दी, कहा कि राजनीति में ''फुल स्टॉप'' नहीं होता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदायी देते हुए बुधवार को संसद को ''एक खुला विश्वविद्यालय'' करार दिया।

प्रधानमंत्री ने सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों से राष्ट्रीय जीवन में योगदान जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा ''राजनीति में 'फुल स्टॉप' नहीं होता।'' उच्च सदन में मोदी ने कहा कि ऐसे क्षण स्वाभाविक रूप से पार्टीगत मतभेदों को भुला देते हैं। उन्होंने कहा ''हम सभी में एक साझा भावना उत्पन्न होती है यह एहसास कि हमारे सहयोगी अब अन्य प्रयासों को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद कुछ सदस्य पुन: सदन में आएंगे और कुछ नहीं आएंगे। ऐसे सदस्यों को प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा ''राजनीति में 'फुल स्टॉप' जैसी कोई चीज़ नहीं होती। भविष्य आपका भी इंतजार कर रहा है, और आपका अनुभव हमेशा हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा रहेगा।'' मोदी ने तीन वरिष्ठ नेताओं पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) प्रमुख शरद पवार की खास तौर पर सराहना की और उन्हें ऐसे स्तंभ बताया जिन्होंने अपने जीवन का आधे से अधिक समय संसदीय कार्यवीर में बिताया। उन्होंने कहा ''जिस तरह वे नियमित रूप से सदन आते हैं, कार्रवाई में इतनी निष्ठा के साथ भाग लेते हैं, वह वास्तव में अनुकरणीय है यह एक ऐसी भावना है जिससे सभी नए सांसदों को सीख लेनी चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने सेवानिवृत्त हो रहे उपसभापति हरिवंश की भी सराहना की। मोदी ने उन्हें ''मृदुभाषी और विनम्र'' लेकिन ''कठोर कार्रवाई करने वाला व्यक्ति'' बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि हरिवंश ने अवकाश के दौरान देशभर की यात्राएं कीं और युवाओं से राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर संवाद किया। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा ''हमारे आठवले जी वास्तव में सदाबहार हैं। वह जा रहे हैं, फिर भी मुझे विश्वास है कि कोई खालीपन महसूस नहीं करेगा, वह लगातार सेवाएं देते रहेंगे।''

प्रधानमंत्री ने दो सदनों वाली संसदीय संरचना में विधेयक पारित करने की प्रक्रिया की तुलना ''दूसरी राय लेने'' (सेकेंड ओपीनियन) से की और कहा कि यह लोकतांत्रिक निर्णय को मजबूत बनाता है। उन्होंने रोजमर्रा के उदाहरण देते हुए कहा, ''जब जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता है, तब परिवार के सदस्य मिलकर सहमति बनाते हैं; तब भी वे सुझाव देते हैं- 'क्यों न आप उससे राय लें? वरिष्ठ सदस्य से दूसरी राय लें।''

# प्रद्युत बोरदोलोई का इस्तीफा दुर्भाग्यपूर्ण, काश बातचीत का मौका मिलता : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने असम से पार्टी के लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे को बुधवार को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि वह एक सीट पर टिकट को लेकर नाराज थे तथा उनसे बातचीत का मौका नहीं मिला। असम में विधानसभा चुनाव से महज 20 दिन पहले कांग्रेस को झटका देते हुए लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और बुधवार को औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस महासचिव और केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में इस बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है, मुझे लगता है कि वह एक टिकट आवंटन से नाराज थे, काश हमें इस बारे में बातचीत करने का मौका मिलता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।''

प्रियंका गांधी असम चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम तय करने संबंधी 'स्क्रीनिंग कमेटी' की अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बोरदोलोई और असम के अन्य नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर चुटकी लेते हुए कहा, ''विचारधारा भी मायने रखती है।'' कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि पार्टी बोरदोलोई को अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश करेगी।

# कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल, शर्मा का दावा- अभी और विपक्षी नेता पाला बदलेंगे

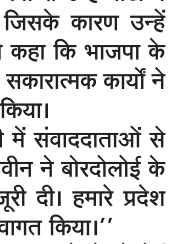

**नई दिल्ली/गुवाहाटी/भाषा।** कांग्रेस नेता एवं लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को यहां भाजपा में शामिल हो गए। बोरदोलोई ने कांग्रेस से मंगलवार को इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने औपचारिक रूप से बोरदोलोई को पार्टी में शामिल किया और उन्हें पटका और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। पांच दशक से अधिक समय तक कांग्रेस सदस्य रहे बोरदोलोई ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों से उन्हें पार्टी में अपमान का सामना करना पड़ रहा था, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सकारात्मक कार्यों ने उन्हें सत्तारूढ़ दल को चुनने के लिए प्रेरित किया।

असम के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बोरदोलोई के पार्टी में शामिल होने को मंगलवार को मंजूरी दी। हमारे प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने उनका पार्टी में स्वागत किया।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1975 से कांग्रेस सदस्य रहे बोरदोलोई के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत, विकसित असम' के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद मिलेगी। शर्मा ने कहा कि भाजपा का प्रदेश नेतृत्व नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए बोरदोलोई को टिकट देने की सिफारिश करेगा।

# बीएसएनएल के निजीकरण का कोई मुद्दा ही नहीं है, देशवासियों की सेवा के लिए पूरी तरह तत्पर : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सिंधिया ने ने बीएसएनएल के निजीकरण की आशंकाओं को खारिज करते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र का यह उपक्रम देशवासियों की सेवा के लिए पूरी तरह तत्पर है।

उन्होंने प्रश्नकाल में कहा कि बीएसएनएल ने 18 साल बाद पहली बार 2024-25 की आखिरी दो तिमाही में क्रमश: 280 करोड़ रुपए और 262 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त किया। उन्होंने पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि जून 2024 में देश में बीएसएनएल के 8.5 करोड उपभोक्ता थे जिनकी संख्या आज बढ़कर 9 करोड़ 27 लाख हो गई है। कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने पूरक प्रश्न में पूछा कि क्या सरकार दूरसंचार के क्षेत्र में बीएसएनएल के निजीकरण की ओर बढ़ रही है।

सिंधिया ने उत्तर में कहा, ''निजीकरण का कोई मुद्दा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीएसएनएल देशवासियों की सेवा के लिए पूरी तरह तत्पर है।'' उन्होंने कहा कि 4जी के नेटवर्क के विस्तार के लिए विदेशी उपकरण खरीदने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी उपकरण बनाने का कठिन निर्णय लिया और इसके साथ भारत पहली बार दूरसंचार क्षेत्र के उपकरणों का विनिर्माण कर रहा है और दुनिया का ऐसा चौथा देश बन गया है।

सिंधिया ने कहा कि सितंबर 2025 तक देश में खुद के एक लाख 4जी टॉवर लगाए गए और 22 हजार टॉवर और लगने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस आधार पर बीएसएनएल धीरे-धीरे उपभोक्ताओं का विश्वास दोबारा जीत रहा है और 4जी के उन्नयन तथा स्थायी होने के साथ 5जी की प्रौद्योगिकी अपनाने की दिशा में भी बढ़ रहा है।

# पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है : सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुरुग्राम/भाषा।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है।

पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने लगा था। उन्होंने कहा, ''मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते। ''

सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, ''आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी। '' उन्होंने कहा, ''कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं। ''

सिंधू ने कहा, ''सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें। ''तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही। सिंधू ने कहा, ''हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है।

# जितने कृषि समझौते हुए, देश और किसानों के हित में हुए हैं : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** अमेरिका और अन्य देशों के साथ कृषि समझौतों से भारतीय किसानों का नुकसान होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि जितने कृषि समझौते हुए हैं वो देश और किसानों के हित में हुए हैं तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रहते देश के और किसानों के हित सुरक्षित हैं।

लोकसभा में वर्ष 2026-27 के लिए कृषि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए चौहान ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के मुद्दे पर कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए यह भी कहा कि इस विषय पर मुख्य विपक्षी दल का रुख ''हाथी के दांत खाने के और, दिखाने के और'' जैसा है। कृषि मंत्री के जवाब के बाद सदन ने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों को स्वीकृति प्रदान की। चौहान ने भारत अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में कहा कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने कृषि समझौतों पर बेवजह अंगुली उठाई है। उन्होंने कहा, ''मैं एक किसान के रूप में, एक नागरिक के रूप में और कृषि मंत्री के रूप में जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं जितने कृषि समझौते हुए, वे देश और किसानों के हित में हुए हैं। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते भारत और किसानों के हित सुरक्षित हैं। हम कृषि में भी दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगे और आत्म-निर्भर बनेंगे।''

# असम में कांग्रेस के सभी 'अच्छे' नेताओं को भाजपा में लाना चाहता हूं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई भी स्वाभिमानी व्यक्ति विपक्षी दल में नहीं रहेगा और वह राज्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए असम के सभी ''अच्छे'' नेताओं को भाजपा में लाना चाहते हैं।

हिमंत की ये टिप्पणी कांग्रेस के लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद आई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा उसके नेताओं को इसलिए शामिल कर रही है क्योंकि पार्टी में अच्छे नेता नहीं हैं। इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर असम के मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''कांग्रेस चाहे जो भी कहे। लेकिन हमारा लक्ष्य कांग्रेस के सभी अच्छे नेताओं को भाजपा में लाना है।''

शर्मा ने कहा, ''हमें भाजपा और असम दोनों का भविष्य उज्ज्वल करना है। इसीलिए मैं धीरे-धीरे उन सभी कांग्रेस नेताओं को भाजपा में लाना चाहता हूं जो पार्टी के लिए संपत्ति हैं, बोझ नहीं।'' उन्होंने कहा, ''हमने यह पहल 2016 में शुरू की थी और इसमें हमें 99 प्रतिशत सफलता मिली है।''

# ओडिशा में 56,793 इमारतों पर सौर संयंत्र स्थापित किए गए : उपमुख्यमंत्री सिंह देव

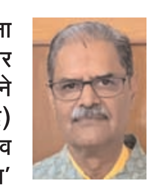

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा सरकार ने एक केंद्रीय योजना के तहत राज्यभर में 56,793 इमारतों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित किए हैं। उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव ने विधानसभा में यह जानकारी दी। बीजू जनता दल (बीजद) विधायक अरुण साहू के लिखित प्रश्न के जवाब में सिंह देव ने बताया कि 'प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत अब तक 2,01,443 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 35,966 लाभार्थियों को सब्सिडी जारी की जा चुकी है। इसके अलावा, ओडिशा नवीनीकरण ऊर्जा विकास एजेंसी ने भुवनेश्वर शहर में 28 सरकारी कार्यालयों की छतों पर 1850 किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्र लगाए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार तीन किलोवाट तक के सौर संयंत्र के लिए 78,000 रुपए की सब्सिडी देती है, जबकि राज्य सरकार 60,000 रुपए अतिरिक्त सहायता प्रदान करती है।

# 'ट्रेड डील' कहीं 'ब्लंडर डील' न साबित हो जाए, इस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए : डिंपल यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने बुधवार को केंद्र सरकार से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर लोकसभा में विस्तृत चर्चा का आग्रह किया और कहा कि कहीं यह 'ट्रेड डील' 'ब्लंडर डील' न साबित हो जाए और भारतीय किसानों को तबाह न कर दे। उन्होंने वर्ष 2026-27 के लिए कृषि मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार को दलहन और तिलहन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से लोकसभा सदस्य डिंपल यादव ने कहा, ''आत्मनिर्भर भारत की भूमिका बनाई जा रही है, लेकिन इसके अनुरूप कार्य नहीं हो रहा है। देश की जीडीपी विकास दर छह प्रतिशत है तो किसानों की विकास दर चार प्रतिशत है।''

उनके मुताबिक, किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था, लेकिन यह वादा आसमान छूने की तरह है।

सपा नेता ने दावा किया कि किसान कर्ज में डूबा है और 10 वर्षों में 10 लाख किसानों ने आत्महत्या की। उन्होंने कहा, ''बड़े कॉरपोरेट का कर्ज माफ किया गया है तो किसान का कर्ज भी पूरी तरह माफ किया जाए।''

डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा ने 2014 के चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में जनता से वादा किया था कि स्वामीनाथ आयोग की सिफारिश के अनुसार एमएसपी दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दलहन और तिलहन के लिए एमएसपी सुनिश्चित करें ताकि किसान आत्मनिर्भर बनें।

डिंपल ने कहा, ''सदन में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विस्तार से चर्चा हो क्योंकि कहीं ऐसा न हो कि यह डील 'ब्लंडर डील' साबित हो और किसानों को तबाह कर दे।'' उन्होंने दावा किया कि इस समझौते से किसानों को नुकसान होगा। चर्चा में भाग लेते हुए आम आदमी पार्टी के गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता रद्द होना चाहिए।

## सुविचार

**माफी माँगना यह नहीं दर्शाता कि आप गलत हैं, बल्कि यह बताता है कि आपके लिए रिश्ते आपके अहंकार से ज्यादा कीमती हैं।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# 'आत्मनिर्भर रसोईघर' आज की ज़रूरत

ईरान के साथ इज़राइल-अमेरिका के युद्ध से भारतीय घरों और उद्योगों पर असर पड़ा है। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो लगातार आ रहे हैं, जिनमें आम लोग गैस सिलेंडरों के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं। प्रशासन कह रहा है कि सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है, आपूर्ति बराबर हो रही है। जनता कह रही है कि सिलेंडरों की आपूर्ति धीमी गति से हो रही है। एक वजह यह है कि लोग घबराहट में ज़्यादा बुकिंग कर रहे हैं, जिससे आपूर्ति प्रणाली पर अचानक दबाव आ गया है। इस घटना ने हमें यह सबक दे दिया है कि रसोईघर में ईंधन संबंधी ज़रूरतों के लिए विदेशों पर निर्भरता खतरनाक हो सकती है। युद्ध हजारों किलोमीटर दूर हो रहा है, लेकिन उसका असर हम पर भी पड़ रहा है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। वाणिज्यिक उपयोग वाले सिलेंडर न मिलने से कई ढाबों और चाय की दुकानों का संचालन मुश्किल हो गया है। यह स्थिति तब है, जब हमारा देश हर साल अरबों डॉलर गैस खरीदने पर खर्च कर रहा है। पिछले एक दशक में भारत सरकार ने महानगरों से लेकर गांव-ढाणियों तक रसोई गैस पहुंचा दी। पहले, गांवों में लकड़ी के चूल्हों पर खाना पकाया जाता था। कई लोगों ने अपने बचपन में उसी चूल्हे की रोटियां खाई होंगी। तब गैस सिलेंडरों से कोई लेना-देना नहीं था। बड़े शहरों में सिलेंडरों की ज़रूरत होती थी, लेकिन ईंधन के मामले में गांव पूरी तरह आत्मनिर्भर थे। अब सबको गैस सिलेंडरों की आदत हो गई है। लकड़ी के चूल्हे वाले दौर में लौटना संभव नहीं है। उससे धुआं बहुत निकलता है, जो वायु प्रदूषण का कारण बनता है। हमें इसके अन्य विकल्प ढूंढ़ने होंगे।

अगर रसोईघर का ईंधन विदेशों की आपूर्ति प्रणाली पर निर्भर रहेगा तो हमारे लिए जोखिम बना रहेगा। हो सकता है कि कुछ दिन बाद ईरान और इज़राइल-अमेरिका कोई शांति समझौता कर लें। वह कब तक चलेगा? इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। अगर साल-दो साल बाद दोबारा ऐसी भिड़ंत शुरू हो गई तो क्या होगा? इसलिए हमें अन्य विकल्पों की ओर कदम बढ़ाना होगा। शहरों में इंडक्शन स्टोव एक अच्छा विकल्प हो सकता है। अगर कोई परिवार सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहा है तो इससे रसोईघर का बजट संतुलित रहेगा। वहीं, गांवों में लकड़ी के परंपरागत चूल्हे के बजाय एक खास तरह के चूल्हे के बारे में विचार करना चाहिए। यह सोशल मीडिया पर रॉकेट स्टोव के नाम से मशहूर है, जो लोहे से बना होता है। इसका आकार अंग्रेजी के 'एल' अक्षर जैसा होता है, जिसके बीच में एक मोटी नली लगी होती है। विदेशों में कई जगह इसका उपयोग हो रहा है। यह बहुत कम धुआं छोड़ता है। भारत में लोहे के कारीगर इसे आसानी से बना सकते हैं। वे इसमें कुछ सुधार भी कर सकते हैं। इसमें कहीं छोटा पंखा जोड़कर उसे हाथ से या बिजली से चलाने की व्यवस्था करने पर विचार किया जा सकता है। अगर गांवों और कस्बों में रॉकेट स्टोव सुलभ हों तो घरों में गैस सिलेंडर न होने पर भी लोगों को परेशानी नहीं होगी। वे घबराहट में बुकिंग नहीं करेंगे। इसी तरह, सोलर ओवन एक क्रांतिकारी विकल्प बन सकता है। एक साधारण-सा बॉक्स, जिसमें दो दर्पण लगे होते हैं, में कई चीजें बन सकती हैं। यह दूध व पानी गर्म करने से लेकर चाय, चावल, दाल, सब्जी, खीर, खिचड़ी, दलिया समेत कई चीजें बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसे धूप की ज़रूरत होती है, जो हमारे देश में लगभग आठ महीने तो अच्छी-खासी पड़ती ही है। सोलर ओवन रसोई गैस को पूरी तरह नहीं हटा सकता, लेकिन उसकी बहुत बचत कर सकता है। लोग बताते हैं कि पहले उनके यहां गैस सिलेंडर 30 से 45 दिन चलता था। सोलर ओवन का उपयोग करने के बाद यह 50 से 70 दिन चल जाता है। इससे ईंधन की बहुत बचत हो रही है। अगर घर-घर में सोलर ओवन हों तो रसोई गैस पर खर्च हो रहे विदेशी मुद्रा भंडार की काफी बचत हो सकती है।

## ट्वीटर टॉक

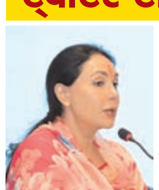

टीजेएसबी सहकारी बैंक की राजस्थान में प्रथम शाखा एवं एटीएम का उद्घाटन किया। आयोजित उद्घाटन समारोह में सहभागिता कर बैंक प्रबंधन तथा कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। शाखा के प्रारंभ होने से स्थानीय नागरिकों को सुलभ एवं सशक्त बैंकिंग सेवाएं प्राप्त होंगी।

**-दिया कुमारी**

हमारे उप सभापति हरिवंश विदाई ले रहे हैं। हरिवंश को लंबे समय तक इस सदन में अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर मिला है। ये बहुत ही मृदुभाषी हैं और सदन को चलाने में सबका विश्वास जीतने का इन्होंने निरंतर प्रयास किया है।

**-नरेन्द्र मोदी**

दिल्ली के पालम क्षेत्र की एक इमारत में आग लगने की घटना अत्यंत दु:खद है। मेरी गहन संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

**-राज्यवर्धनसिंह राठौड़**

## प्रेरक प्रसंग

# समझदारी से समाधान

एक सूफी संत थे। वे चाहते थे कि उनकी मृत्यु के बाद उत्तराधिकार के प्रश्न को लेकर उनके तीन शिष्य आपस में न लड़ें। अत: उन्होंने एक वसीयत की, जो सबसे वृद्ध शिष्य हो उसे कुल ऊंटों में से आधे ऊंट मिलें। प्रौढ़ शिष्य को एक-तिहाई ऊंट तथा सबसे छोटे शिष्य को कुल ऊंटों का नौवां भाग मिले। सूफी की मृत्यु के बाद वसीयत पढ़ी गई, तो सब अचरज में पड़ गये। वसीयत के अनुसार ऊंटों का बंटवारा हो ही नहीं सकता था। किसी ने कहा, 'इस वसीयत में जरूर कोई राज़ है।' तीनों शिष्य हजरत अली के पास पहुंचे। हजरत अली उनकी समस्या सुनकर पहले मुस्कराये, फिर बोले, 'इसमें कोई परेशानी की बात नहीं। मैं अपनी ओर से एक ऊंट और मिला देता हूं। तब बंटवारा हो जायेगा।' फिर अली ने ऊंटों का बंटवारा कर दिया। सबसे वृद्ध शिष्य को 9 ऊंट मिले। दूसरे को कुल ऊंटों का एक तिहाई हिस्सा यानी 6 ऊंट मिले। सबसे छोटे शिष्य को कुल ऊंटों का नौवां हिस्सा अर्थात 2 ऊंट मिले। सत्रह ऊंटों का इस तरह बंटवारा होने के बाद हजरत अली ने अपना ऊंट वापस ले लिया।

## सामयिक

# भारतीय नवसंवत्सर का स्वर्णिम आरंभ

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

हिन्दू नववर्ष भारतीय संस्कृति का वह जीवंत प्रतीक है, जो केवल समय के परिवर्तन का संकेत नहीं देता, बल्कि जीवन के मूल्यों, परंपराओं और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का संदेश भी लेकर आता है। जब चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि आती है, तब यह केवल एक तिथि नहीं रहती, बल्कि एक नई शुरुआत का उद्घोष बन जाती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यही वह क्षण है जब एक नए संवत्सर का आरंभ होता है और प्रकृति स्वयं नवजीवन के रंगों से भर उठती है। यह नववर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर की तरह केवल गणनात्मक नहीं, बल्कि प्रकृति, खगोल और मानव जीवन के गहरे संबंधों पर आधारित है। हिन्दू नववर्ष का आधार विक्रम संवत है, जो एक प्राचीन कालगणना प्रणाली है और आज भी भारत तथा नेपाल के कई भागों में प्रचलित है। यह पंचांग चंद्र और सूर्य दोनों की गति पर आधारित होता है, इसलिए इसे लूनी सोलर कैलेंडर कहा जाता है। इसकी विशेषता यह है कि यह प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के लिए समय-समय पर अतिरिक्त माह अर्थात अधिमास को भी जोड़ता है, जिससे ऋतुओं और पर्वों का संतुलन बना रहे। यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण दर्शाता है कि भारतीय ऋषियों ने समय की गणना को केवल गणित नहीं, बल्कि जीवन और प्रकृति के समन्वय के रूप में देखा था।

**भारत की सांस्कृतिक विविधता इस पर्व में अत्यंत सुंदर रूप से झलकती है। देश के विभिन्न भागों में इसे अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, जैसे महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उगादी, बंगाल में पोइला बैसाख और सिंधी समाज में चेती चांद। नाम भले ही अलग हों, परंतु सभी में एक ही भावना निहित है नई शुरुआत, समृद्धि और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का स्वागत।**

मान्यता है कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण प्रारंभ किया था, इसलिए यह दिन सृष्टि के आरंभ का प्रतीक भी माना जाता है। यही कारण है कि हिन्दू नववर्ष को केवल सामाजिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन मनुष्य को अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने, नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने और आत्मशुद्धि का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। वर्ष 2026 में हिन्दू नववर्ष 19 मार्च को प्रारंभ होकर विक्रम संवत 2083 का आरंभ करता है, जो एक विशेष वर्ष भी माना जा रहा है क्योंकि इसमें अधिमास के कारण 13 महीने होंगे। यह तथ्य इस बात को और भी रोचक बनाता है कि भारतीय कालगणना कितनी सूक्ष्म और वैज्ञानिक रही है। यह नववर्ष वसंत ऋतु के आगमन के साथ आता है, जब प्रकृति में नवपल्लव फूटते हैं, फूल खिलते हैं और वातावरण में एक नई ताजगी का संचार होता है। यह दृश्य स्वयं इस बात का प्रतीक है कि जीवन में परिवर्तन और नवाचार अनिवार्य हैं। भारत की सांस्कृतिक विविधता इस पर्व में अत्यंत सुंदर रूप से झलकती है। देश के विभिन्न भागों में इसे अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है, जैसे महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उगादी, बंगाल में पोइला बैसाख और सिंधी समाज में चेती चांद। नाम भले ही अलग हों, परंतु सभी में एक ही भावना निहित है नई शुरुआत, समृद्धि और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का स्वागत। यही विविधता भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है, जो एकता में अनेकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

हिन्दू नववर्ष हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में हर अंत एक नई शुरुआत का संकेत होता है। बीते हुए वर्ष की गलतियों और अनुभवों से सीख लेकर हम नए वर्ष में बेहतर निर्णय ले सकते हैं। यह पर्व हमें आशा, विश्वास और सकारात्मकता का संदेश देता है। यह हमें यह याद दिलाता है कि समय चक्र निरंतर चलता रहता है और हर नया वर्ष हमें स्वयं को सुधारने और आगे बढ़ने का अवसर देता है। आधुनिक समय में जब वैश्वीकरण और पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, हिन्दू नववर्ष का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है और हमारी पहचान को मजबूत करता है। यह युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर देता है कि हमारी परंपराएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक हैं।

## विशेष

# नौ माताओं का महापर्व चैत्र नवरात्रि

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार) बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता है। यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी, नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता है। द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफेद, पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। इस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाति है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला, हरा, लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदयानी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल, नारंगी, गुलाबी, गेरुआ, मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्या के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं। साधकों को इस दिन बैगनी, स्लेटी, नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्यदयानी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन, वैभव, सुख, शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि मैं माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान, रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है।

**नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है।**

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है।

## नजरिया

# प्रसन्नता का वैश्विक संकल्प और भारतीय संदर्भ

ललित गर्ग
मो. 9811051133

मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य क्या है-धन, वैभव, पद या प्रतिष्ठा। इन सबके पार जाकर यदि कोई तत्व जीवन को वास्तविक अर्थ देता है तो वह है खुशी। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2012 में 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया और 2013 से यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है, बल्कि एक वैश्विक चेतना का विस्तार है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि खुशी प्रत्येक मनुष्य का मौलिक अधिकार है और उसके बिना विकास अधूरा है। इस वर्ष की थीम एक साथ खुश रहें है', जो हमें यह संदेश देती है कि खुशी का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत संतोष नहीं, बल्कि सामूहिक आनंद और सामाजिक जुड़ाव में निहित है। पिछले वर्षों में साथ मिलकर खुश रहना और खुशी बाँटना शामिल थे, जो लोगों को दयालुता और मित्रता के माध्यम से खुशियां फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते थे। 2026 का विषय है देखभाल और साझा करना जो इस बात पर ज़ोर देता है कि स्थायी खुशी एक-दूसरे की देखभाल करने, जुड़ाव महसूस करने और एक समुदाय का हिस्सा होने से मिलती है।

**आज के समय में बढ़ती नकारात्मकता, तनाव और अकेलापन खुशी के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरे हैं। कई लोग भौतिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक रूप से थके हुए, निराश और ऊर्जा विहीन महसूस करते हैं। वे पर्याप्त विश्राम के बावजूद थकान का अनुभव करते हैं, कार्य के प्रति उत्साह खो देते हैं और जीवन में उद्देश्यहीनता महसूस करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है कि विकास के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है।**

विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 के अनुसार भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर है। यह आंकड़ा पहली दृष्टि में चिंताजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकताओं को समझना भी आवश्यक है। भारत जैसा विशाल, बहुविधताओं से भरा और अनेक चुनौतियों से जूझता देश, जिसकी जनसंख्या विश्व में शीर्ष पर है, उसकी तुलना छोटे और कम जटिल देशों से करना कितना उचित है, यह विचारणीय है। जिन देशों को शीर्ष पर रखा गया है, वहां आबादी कम है, सामाजिक संघर्ष सीमित हैं और प्रशासनिक समस्याएं अपेक्षाकृत सरल हैं। इसके विपरीत भारत में गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, असमानता और क्षेत्रीय विषमताओं जैसी जटिल समस्याएं हैं, जिनसे निपटना एक बड़ा दायित्व है। फिर भी भारत ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना, डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम नागरिक का सशक्त होना, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका, ये सभी उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की सराहना कर रही हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या केवल आय, सामाजिक सुरक्षा और जीवन प्रत्याशा जैसे संकेतकों के आधार पर ही खुशी को मापा जाना उचित है? क्या सांस्कृतिक मूल्यों, पारिवारिक संबंधों, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता को नजरअंदाज कर देना न्यायसंगत है?

भारतीय संस्कृति में खुशी का अर्थ बाहरी संसाधनों से अधिक आंतरिक संतोष से जुड़ा है। यहां संतोष परम सुखम्' का सिद्धांत जीवन का आधार रहा है। भारतीय दर्शन यह सिखाता है कि इच्छाओं की असीमित पूर्ति नहीं, बल्कि इच्छाओं का संयम और आत्मनियंत्रण ही स्थायी प्रसन्नता का मार्ग है। आज की उपभोक्तावादी संस्कृति में हमने खुशी को वस्तुओं और सुविधाओं से जोड़ दिया है। नई वस्तु मिलने पर क्षणिक प्रसन्नता अवश्य मिलती है, लेकिन वह जल्दी ही समाप्त हो जाती है और उसके स्थान पर नई इच्छाएं जन्म ले लेती हैं। इस प्रकार व्यक्ति एक अंतहीन दौड़ में उलझ जाता है, जहां संतोष का कोई ठहराव नहीं होता। खुशी का वास्तविक पैमाना यह नहीं है कि हमारे पास कितना है, बल्कि यह है कि हम जो कुछ है, उसमें कितना संतुष्ट और कृतज्ञ हैं। एक प्रसन्न समाज का निर्माण तभी संभव है जब नागरिक स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और आशावान महसूस करें। आर्थिक अवसरों की समानताएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलताएं सामाजिक संबंधों की मजबूती और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा-ये सभी तत्व मिलकर खुशहाली का आधार बनाते हैं। यदि आम नागरिक को अपने प्रयासों का उचित प्रतिफल मिले और उसे जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो, तो उसकी प्रसन्नता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी।

आज के समय में बढ़ती नकारात्मकता, तनाव और अकेलापन खुशी के मार्ग में सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरे हैं। कई लोग भौतिक रूप से समृद्ध होते हुए भी मानसिक रूप से थके हुए, निराश और ऊर्जा विहीन महसूस करते हैं। वे पर्याप्त विश्राम के बावजूद थकान का अनुभव करते हैं, कार्य के प्रति उत्साह खो देते हैं और जीवन में उद्देश्यहीनता महसूस करते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है कि विकास के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इस वर्ष की थीम एक साथ खुश रहें' हमें यह सिखाती है कि खुशी का सबसे बड़ा स्रोत हमारे संबंध हैं। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों के साथ साझा की गई हंसी, समाज के लिए किया गया सेवा कार्य और किसी जरूरतमंद की सहायता-ये सभी अनुभव हमें भीतर से समृद्ध करते हैं। जब हम दूसरों की खुशी का कारण बनते हैं, तो हमारी अपनी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसका अस्तित्व संबंधों के बिना अधूरा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने संबंधों को मजबूत करें, संवाद बढ़ाएं और सामूहिकता की भावना को पुनर्जीवित करें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# पश्चिम एशिया संकटः पड़ोसी देशों से पहले घरेलू ईंधन जरूरतों को प्राथमिकता देगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संकट और आपूर्ति में मची उथल-पुथल के बीच भारत, बांग्लादेश और अन्य पड़ोसी देशों के अनुरोधों पर विचार करने से पहले अपनी घरेलू ईंधन मांग को पूरा करने को प्राथमिकता देगा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को यह जानकारी दी। ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में उन्होंने 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' का मंत्र देते हुए स्पष्ट किया कि देश की आंतरिक जरूरतों को पूरा करना सबसे पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू मांग पूरी होने के बाद यदि कोई अधिशेष बचता है, तभी सक्षम प्राधिकारी निर्यात के अनुरोधों पर कोई निर्णय लेंगे।

वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव के कारण पैदा हुई किल्लत को देखते हुए बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे पड़ोसी देशों ने भारत से आपातकालीन ईंधन आपूर्ति का आग्रह किया है।

बांग्लादेश ने मौजूदा पाइपलाइन व्यवस्था के अलावा पांच हजार टन अतिरिक्त डीजल की मांग की है, वहीं नेपाल ने भी प्रति माह 3,000 टन अतिरिक्त रसोई गैस (एलपीजी) का अनुरोध किया है। भारत वर्तमान में नेपाल और भूटान को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की नियमित आपूर्ति करता है।

# मोदी ने कुवैत के युवराज से बात की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह के साथ पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर विचार-विमर्श किया और कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करना सर्वोपरि प्राथमिकता बनी हुई है।

दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर हुई बातचीत में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक संपर्क बनाये रखने की आवश्यकता पर सहमति जताई। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की और उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और हाल के घटनाक्रम को लेकर चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा की।उन्होंने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक संपर्क आवश्यक है। मोदी ने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए निरंतर समर्थन देने के वास्ते युवराज को धन्यवाद भी दिया।

पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के लगभग तीन सप्ताह बाद प्रधानमंत्री ने कुवैत के नेता से दूसरी बार बात की। इस संघर्ष की शुरुआत तब हुई जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया।

## प्रदर्शन

निखिल ओडिशा मध्याह्न भोजन पाचक पाचिका महासंघ के सदस्यों ने मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर भुवनेश्वर के लोअर पीएमजी (ङ्केशी झचत्र्) पर एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्तमान वेतन महंगाई के दौर में उनके गुजारे के लिए अपर्याप्त है।

# रंगमंच पर वापसी कर रहे अनुपम खेर, नए नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' का किया ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर जल्द ही एक और नाटक लेकर आ रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम के जरिए आगामी नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' की घोषणा की। यह एक म्यूजिकल कॉमेडी है, जो रिश्तों, पहचान और आधुनिक जीवन के मजेदार विरोधाभासों पर आधारित है। अनुपम ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें नाटक का पोस्टर और नाटक के साथियों की तस्वीरें शामिल हैं। उन्होंने लिखा, हर नए दशक की शुरुआत मैं एक-एक नाटक से करता हूं। मुझे लगता है कि थिएटर ही असली अभिनय को शुरू करने का एक जरिया है। यहां मैंने सीखा कि दर्शकों की भावनाओं को कैसे समझा जाता है और कहानी को जीवंत किया जाता है। उन्होंने आगे लिखा, आज मुझे बहुत खुशी और गर्व हो रहा है ये घोषणा करने में कि हमारा नया म्यूजिकल नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' जल्द ही मंच पर आएगा। इस नाटक को गजेंद्र अहीरे ने लिखा और निर्देशित किया है। इसे अनुपम खेर स्टूडियो ने प्रोड्यूस किया है। अनुपम ने बताया कि यह मंच इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें वे स्वरूप संपत के साथ अभिनय करते नजर आएंगे, जो बेहद प्रतिभाशाली और समझदार कलाकार हैं। अनुपम ने लिखा, नाटक का संगीत मशहूर संगीतकार अनू मलिक ने तैयार किया है, जिनके गाने दशकों से लोगों के दिलों में बसते हैं। गीत कौसर मुनीर ने लिखे हैं। इन गीतों को शान, सुखविंदर सिंह और आनंदी जोशी जैसी असाधारण आवाज़ें जीवंत करेंगी।

अनुपम ने बताया कि इस नाटक में प्रतिभाशाली कलाकार नजर आएंगे, जिनमें मेघना मलिक, माया शर्मा, विकास रावत, श्रद्धा मंडले और हर्मन डी'सूजा जैसे कलाकार शामिल हैं। ये सभी कलाकार नाटक में हास्य, ऊर्जा और भावनात्मक गहराई जोड़ेंगे। उन्होंने लिखा, 'जाने पहचाने अंजाने' उन रिश्तों की कहानी है जो बाहर से परिचित लगते हैं, लेकिन अंदर से अजनबी होते हैं। यह हंसी-मजाक, भावुक पलों और खूबसूरत संगीत से भरा हुआ है। यह नाटक दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगा और साथ ही मनोरंजन भी देगा। अनुपम खेर ने कहा कि रंगमंच पर लौटना हमेशा घर लौटने जैसा लगता है और मैं आप सभी के साथ इस नए सफर को साझा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

# 'स्वयंभू' में निखिल के किरदार की ताकत है सुंदरावलीः नाभा नतेश

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है 'स्वयंभू'... फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह एक बहादुर योद्धा ने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदली। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ एक्ट्रेस नाभा नतेश भी मुख्य किरदार में हैं। नाभा ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि उनका किरदार सुंदरावली निखिल के किरदार का बैकबोन है। आईएएनएस से बात करते हुए नाभा नतेश ने कहा, ''मेरा किरदार सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है और वह उसी गांव में बड़ी हुई है, जहां निखिल का किरदार रहता है। सुंदरावली निखिल के किरदार को गहराई से समझती है और उसके हर उतार-चढ़ाव को जानती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मेरा किरदार इस बात का प्रतीक है कि किसी की सफलता के पीछे हमेशा ऐसे लोग होते हैं, जो बिना दिखाए समर्थन करते हैं। सुंदरावली निखिल के किरदार के सबसे कठिन समय में उसके पास आती है और उसे विश्वास देती है कि वह फिर से उठकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। यही क्षण कहानी में महत्वपूर्ण मोड़ लाता है और हीरो अपनी मंजिल की ओर बढ़ता है।'' फिल्म 'स्वयंभू' को भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले प्रोडक्शन किया है और इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में पहले से ही उत्सुकता है। निखिल सिद्धार्थ ने फिल्म के लिए वियतनाम में मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली। इतना ही नहीं, उन्होंने तलवारबाजी में इतनी महारत हासिल की कि वे दोनों हाथों से तलवार चला सकते हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी तलवारबाजी की ट्रेनिंग दी गई। वियतनाम के एक्सपर्ट्स को लाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को वास्तविकता के करीब दिखाया जा सके।इस फिल्म का क्लाइमेक्स हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में 60 दिनों तक शूट किया गया, जिसमें सैकड़ों कलाकार शामिल रहे। 'स्वयंभू' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

# 'सरके चुनर' विवाद : विरोध के बाद यूट्यूब से हटाया गया गाना

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर गाने रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन जाते हैं, लेकिन कई बार यही गाने विवादों में भी घिर जाते हैं। हाल ही में फिल्म 'केडी- द डेविल' का गाना 'सरके चुनर' भी सुर्खियों में बना हुआ है। गाने के बोल और डांस को लेकर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। शुरुआत में यह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे इसमें बड़े नाम और संस्थाएं भी शामिल होती गईं और विवाद बढ़ता गया। इसी बीच मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए गाने को यूट्यूब से हटा दिया और अब इसे नए वर्जन में वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। 'सरके चुनर' गाने को संजय दत्त और नोरा फतेही पर फिल्माया गया था। रिलीज के बाद ही कई लोगों ने इसके बोल को आपत्तिजनक और डबल मीनिंग बताया। साथ ही गाने की कोरियोग्राफी को भी भड़काऊ करार दिया। गाने की आलोचना तेजी से बढ़ती गई।

विवाद बढ़ता देख मेकर्स ने गाने को यूट्यूब से हटा दिया। साथ ही इस गाने को नए वर्जन के साथ तैयार करने का फैसला लिया, जिसमें गाने के बोल बदले जाएंगे, ताकि किसी की भावनाएं आहत न हों। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि यह नया गाना कब तक रिलीज होगा, लेकिन मेकर्स इसे जल्द ही दर्शकों के सामने लाने की कोशिश में हैं।इस मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गाने को लेकर नोटिस जारी किया। आयोग ने गाने में इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर चिंता जताई और इस पर जवाब मांगा।इसके अलावा, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत जिंदल ने भी गाने के खिलाफ दिल्ली पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि गाने के बोल अश्लील हैं और यह समाज, खासकर बच्चों पर गलत असर डाल सकते हैं। उन्होंने मेकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिल्म इंडस्ट्री के कुछ सितारों ने भी इस पर अपनी राय रखी। मशहूर गायक अरमान मलिक ने इसे गीत लेखन का 'सबसे निचला स्तर' बताया, जबकि पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने भी गाने और इसमें काम करने वाले कलाकारों की आलोचना की।

# श्रीदेवी की संपत्ति विवाद में मद्रास हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, चेंगलपट्टू कोर्ट की कार्यवाही पर अंतरिम रोक

मुंबई/एजेन्सी

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में मद्रास हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चेंगलपट्टू सिविल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस फैसले से अब चेंगलपट्टू कोर्ट में मामला आगे नहीं बढ़ सकेगा। मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 26 मार्च की तारीख तय की गई है। श्रीदेवी ने साल 1988 में चेन्नई के ईस्ट कोस्ट रोड पर संबंदा मुदलियार के परिवार से 4.77 एकड़ जमीन खरीदी थी। पिछले 37 सालों से यह संपत्ति उनके परिवार के कब्जे में रही है। हाल ही में नटराजन और शिवगामी, जो चंद्रशेखरन मुदलियार की दूसरी पत्नी के बेटे और बेटी बताए जाते हैं, उन्होंने खुद को कानूनी वारिस बताकर सर्टिफिकेट हासिल किया और चेंगलपट्टू अतिरिक्त जिला कोर्ट में सिविल मुकदमा दायर कर संपत्ति में अपना हिस्सा मांगा। इस मुकदमे को खारिज करने की मांग करते हुए श्रीदेवी के पति बोनी कपूर ने अपनी बेटियों अभिनेत्री जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ मिलकर चेंगलपट्टू कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन चेंगलपट्टू कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी और कहा कि मालिकाना हक का फैसला तभी हो सकता है जब पूरा मुकदमा चले। इस आदेश के खिलाफ बोनी कपूर, जान्हवी कपूर और खुशी कपूर ने मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि तीनों दावेदारों ने धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों के आधार पर कानूनी वारिस का सर्टिफिकेट हासिल किया।

उन्होंने बताया कि असली मालिक मायलापुर में रहते थे, लेकिन दावेदारों ने साल 2005 में तांबरम तहसीलदार कार्यालय से झूठे दस्तावेजों के जरिए सर्टिफिकेट बनवा लिया।याचिकाकर्ताओं ने यह भी दलील दी कि चंद्रशेखरन मुदलियार की पहली पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी का दावा कानूनी रूप से अमान्य है, इसलिए दूसरी पत्नी के बच्चों का वारिस का अधिकार नहीं बनता। उन्होंने कहा कि चेंगलपट्टू कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करके गलती की है। मामले की सुनवाई जस्टिस टी.वी. तमिलसेल्वी की बेंच ने की। कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को अंतिम सुनवाई के लिए 26 मार्च तक स्थगित कर दिया। साथ ही, तब तक चेंगलपट्टू कोर्ट में चल रही सभी कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी।

# सारा अली खान को केदारनाथ दर्शन के लिए देना होगा एफिडेविट, नए नियम से मची हलचल

मुंबई/एजेन्सी

हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस बार यात्रा शुरू होने से पहले ही एक बड़ा बदलाव सामने आया है। अब इन धामों में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अपनी आस्था साबित करनी होगी, जिसके लिए एफिडेविट देना होगा। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को लेकर हो रही है। इस पर बद्री-केदार मंदिर कमेटी के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अगर सारा अली खान भी केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आती हैं, तो उन्हें भी सनातन धर्म में अपनी आस्था का एफिडेविट देना होगा। इसके बाद ही उन्हें मंदिर में प्रवेश की अनुमति मिल सकेगी। दरअसल, बद्री-केदार मंदिर समिति की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया, जिसमें यह तय किया गया कि केदारनाथ और बद्रीनाथ समेत कई मंदिरों में गैर-सनातनियों के प्रवेश को वर्जित किया जाएगा। इस फैसले को लेकर हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न हो, सनातन धर्म में अपनी आस्था व्यक्त करता है और इसके लिए शपथ पत्र देता है, तो उसे मंदिर में दर्शन की अनुमति दी जा सकती है।

इसके आगे उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर सारा अली खान जैसी हस्ती भी केदारनाथ आती हैं, सनातन में अपनी आस्था जताती हैं और एफिडेविट देती हैं, तो उन्हें दर्शन से नहीं रोका जाएगा।गौरतलब है कि सारा अली खान का केदारनाथ से खास जुड़ाव माना जाता है। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'केदारनाथ' से की थी, जिसकी शूटिंग भी इसी क्षेत्र में हुई थी। इसके बाद से वह समय-समय पर केदारनाथ आती रहती हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।सारा अली खान के अलावा, जैकलीन फर्नांडिस भी केदारनाथ दर्शन कर चुकी हैं। वह साल 2023 में केदारनाथ आई थीं। वहीं, 2024 में फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरुचा भी केदारनाथ पहुंची थीं। टीवी स्टार हिना खान भी केदारनाथ का दौरा कर चुकी हैं।नए नियम के तहत मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को शपथ पत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे भरकर वे अपनी आस्था का प्रमाण दे सकेंगे। इसके बाद ही उन्हें मंदिर में प्रवेश मिलेगा। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद दर्शन की प्रक्रिया में बदलाव देखने को मिल सकती है।

# युवाओं में धूम्रपान की लत की एक वजह फिल्में और वेबसीरीज भी : तनावड़े

नई दिल्ली/भाषा

फिल्मों और वेब सीरीज का बच्चों, किशोरों और युवाओं पर प्रभाव पड़ने का जिक्र करते हुए भारतीय जनता पार्टी सांसद सदानंद महालू शेट तनावड़े ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि निर्माताओं को सामग्री का चयन बहुत सोच-समझ कर करना चाहिए। भाजपा सदस्य तनावड़े ने कहा कि फिल्मों में, वेब सीरीज में जो कुछ दिखाया जाता है उससे बच्चे, किशोर और युवा खास तौर पर प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा ''फिल्मों और वेब सीरीज में बच्चे, किशोर और युवा जो कुछ देखते हैं वह अक्सर उसकी नकल करते हैं। पहले भी यह कहा जा चुका है और अध्ययन में भी यह बात सामने आई है कि फिल्म में नायकों से प्रभावित हो कर बच्चे, किशोर और युवा उनके जैसे कदम उठाते हैं।''

तनावड़े ने कहा कि बच्चे, किशोर और युवा अपने पसंदीदा नायक को धूम्रपान करते देख तेजी से धूम्रपान की ओर आकर्षित होते हैं और यह शुरुआती शौक जल्द ही निकोटिन की लत में बदल जाता है। ''हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत में युवाओं की आबादी अधिक है।'' उन्होंने कहा कि यह बात सर्वविदित है कि धूम्रपान सेहत के लिए नुकसानदायक होता है और निकोटिन समय से पहले कई बीमारियों तथा मौत की वजह बनता है। उन्होंने मांग की कि फिल्मों और वेब सीरीज में ऐसा कुछ भी नहीं दिखाया जाना चाहिए जो बच्चों, किशोर और युवाओं के भविष्य के लिए घातक हो।

इसी पार्टी की धर्मशीला गुप्ता ने सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की नियमित देखभाल एवं रखरखाव किए जाने की मांग करते हुए कहा कि देश की बड़ी आबादी आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन के संसाधनों का उपयोग करती है। उन्होंने अलीगढ़ की एक घटना का जिक्र किया जब करीब आठ साल की एक बच्ची बस का जर्जर फर्श टूट जाने से नीचे सड़क पर गिर गई और बस का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गुप्ता ने कहा कि अगर बस का रखरखाव किया जाता, या अत्यंत खस्ताहाल हो चुकी बस को सेवा से हटा दिया जाता तो न यह हादसा होता और न बच्ची की जान जाती।

झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माझी ने होमियोपैथी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा की एक प्राचीन विधा है और आदिवासियों को इसका खासा ज्ञान है। जड़ी-बूटियों के उपयोग की गहरी जानकारी रखने वाला यह समुदाय ही इसे आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि होमियोपैथी का न तो पर्याप्त दस्तावेजीकरण किया गया और न ही इसे सरकारी संरक्षण मिला। होमियोपैथी के प्राकृतिक चिकित्सा ज्ञान को अगर समुचित तरीके से संरक्षण दिया जाए तो इसमें बड़ी बीमारियों के इलाज की भी क्षमता है।

महुआ ने मांग की कि इस विधा के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान किया जाए और झारखंड में अनुसंधान के लिए संस्थान स्थापित किए जाएं। राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने ऑनलाइन कन्सल्टेन्सी को लेकर कड़े नियम बनाने, ई-फार्मेसी को सख्त बनाने और नियमों का कड़ाई से पालन किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि लंबित फार्मेसी नियमावली को भी अद्यतन किया जाना चाहिए। भाजपा के बाबूभाई जेसंगभाई देसाई ने खेल अवसंरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और यह सिलसिला जारी है। उन्होंने कहा ''लेकिन राज्य में युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए और परियोजनाओं की जरूरत है।'' देसाई ने कहा ''गुजरात में अहमदाबाद के नारणपुरा इलाके में सावरकर खेल परिसर (वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) बनाया गया है। 825 करोड़ रुपए की लागत से 21 एकड़ में फैला यह गुजरात का सबसे बड़ा अत्याधुनिक खेल परिसर है, जिसका उदघाटन सितंबर 2025 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया। यह केंद्र ओलंपिक स्तर की सुविधाओं से सुसज्जित है।'' उन्होंने मांग की कि राज्य के हर जिले में इस तरह का खेल परिसर बनाया जाए।

शून्यकाल में ही भाजपा के गुलाम अली, बालयोगी उमेशनाथ, रामभाई मोकरिया, सुमेर सिंह सोलंकी, माया नारोलिया, सतपाल शर्मा, कांग्रेस के नीरज डांगी, रजनी अशोकराव पाटिल, डॉ सैयद नासिर हुसैन, बीजू जनता दल के देवाशीष सामंत राय और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद रमजान ने भी आसन की अनुमति से लोक महत्व से जुड़े अपने-अपने मुद्दे उठाए।

# होली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र के प्रवासी सदस्यों द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह रविवार को सम्पन्न हुआ। इस दौरान जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ तमिलनाडु के महामंत्री सुरेश लूनिया को उनके विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में गुड़ामालानी विधानसभा क्षेत्र को बालोतरा में शामिल करने के लिए वर्चुअल रूप से शामिल हुए मंत्री केके बिश्नोई को धन्यवाद दिया।

मंत्री ने सभी को बधाई दी। बधाई पत्र का वाचन चोखाराम सुथार ने किया।

इस अवसर पर हिंगलाजदान चारण आकली ने राजस्थानी भाषा को मान्यता को लेकर मंत्री से अनुरोध किया। उन्होंने राजस्थानी भाषा को संविधान की 8वीं सूची में जोड़ने का निवेदन किया।

कार्यक्रम में भुराराम कलबी, जुगराज नाई, हीरालाल बेनीवाल, रामलाल सुथार, गणपत सुथार, ठाकराराम जाट, भावाराम, आईदानराम देवासी, सवाई जांगिड़, बीरबल बिश्नोई खेताराम चौधरी, रमेश लोहार सहित अनेक प्रवासी उपस्थित थे।

# भाखानि क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय राजभाषा संगोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां भारतीय खाद्य निगम (भाखानि/एफसीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय में 18 मार्च को एक दिवसीय क्षेत्रीय राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस संगोष्ठी में भारतीय खाद्य निगम के तमिलनाडु क्षेत्र के क्षेत्रीय एवं मंडल कार्यालयों से अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभागिता की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ऐश्वर्या जे द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। तत्पश्चात महाप्रबंधक(क्षेत्र) प. मुत्तुमारन एवं मंचासीन वरिष्ठ अधिकारीगण के कर-कमलों से द्वीप प्रज्वलन किया गया। उपमहाप्रबंधक राजभाषा अरुणकुमार ने सभी का स्वागत किया और संगोष्ठी के आयोजन हेतु अवसर प्रदान करने के लिए महाप्रबंधक का आभार प्रकट किया।

अध्यक्ष मुत्तुमारन ने राजभाषा संगोष्ठी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को बताया कि तमिलनाडु क्षेत्र राजभाषा के कार्यान्वयन में अग्रणी है और भारत सरकार के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है। उद्घाटन सत्र में क्षेत्र,सामान्य के उप महाप्रबंधक संजीवकुमार, गगन कुमार मिश्रा, संजय कुमार बिसवास, लेखा के उपमहाप्रबंधक गौरव सक्सेना, के साथ सहायक महाप्रबंधक राजभाषा कामता प्रसाद, प्रबंधक राजभाषा कुणाल कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में राजभाषा सहायक लोकेश कुमार शाह ने राजभाषा कार्यान्वयन में आई.टी. टूल्स की आवश्यकता, महत्त्व एवं योगदान पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया और विभिन्न आई टूल्स जैसे- भाषिणी, अनुवादिनी और गूगल पर अनुवाद होनेवाली कठिनाईयों पर प्रकाश डाला। जिसे आत्मचिंतन से समाधान निकालने की आवश्यकता पर लाइव डेमो कर समझाया गया। कार्यालय में ई-ऑफिस के माध्यम से हिंदी नोटिंग में बढोत्तरी करने में तकनीकी का इस्तेमाल करने हेतु आग्रह किया गया। दूसरे सत्र में, राजभाषा प्रबंधक कुणालकुमार गुप्ता ने, तृतीय सत्र में प्रबंधक राजभाषा आनंद प्रसाद नोनियां, और चतुर्थ सत्र में कामताप्रसाद ने राजभाषा नियम, विकास आदि पर अपने विचार व्यक्त किए। समापन सत्र में प्रतिभागियों को मंचासीन अधिकारियों ने प्रमाण पत्र वितरित किए। सहायक महाप्रबंधक कामता प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन प्रबंधक राजभाषा कुणाल कुमार गुप्ता ने किया।

# अग्रोहा शक्तिधाम बनेगा देश का पांचवां धाम : गोपालशरण

## गोपालशरण गर्ग फिर बने अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** हरियाणा के ऐतिहासिक अग्रोहा शक्तिधाम में आयोजित अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक एवं साधारण सभा में संगठन को एक बार फिर सशक्त और अनुभवी नेतृत्व मिला है। नारनौल के गोपाल शरण गर्ग को सर्वसम्मति से पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। बैठक में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को और गति देने, युवाओं व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा देशभर में संगठन के विस्तार पर व्यापक चर्चा की। इसी क्रम में तमिलनाडु इकाई के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें गोविंद प्रसाद अग्रवाल को अध्यक्ष, जगदीश प्रसाद अग्रवाल को महामंत्री और बाबूलाल केडिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

### अग्रोहा शक्तिधाम बना आकर्षण का केंद्र

बैठक के दौरान अग्रोहा शक्तिधाम के तीव्र गति से चल रहे विकास कार्य विशेष चर्चा का विषय रहे। यहां आद्य महालक्ष्मी मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है, जो पूर्ण होने के बाद देशभर के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बनेगा। महामंत्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि अग्रोहा शक्तिधाम को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। वर्तमान में देश में चार धाम की परंपरा है और आने वाले समय में अग्रोहा शक्तिधाम को देश का पांचवां धाम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां ठहरने और भोजन की समुचित व्यवस्था भी विकसित की जा रही है

### तमिलनाडु में 'संगठन विस्तार व अग्र भागवत' का होगा आयोजन

बैठक में भाग लेकर लौटे तमिलनाडु के महामंत्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए चेन्नई, मदुरै, कोयंबटूर, इरोड, सेलम, तिरूपुर और पुडुचेरी सहित अन्य शहरों में जल्द ही स्थानीय कार्यकारिणियों का गठन किया जाएगा। इसके साथ ही चेन्नई में समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जल्द ही 'अग्र भागवत' का आयोजन भी किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक के बाद अग्रवाल समाज में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

# भगवान महावीरस्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक 31 को

## जैन महासंघ जुटा है कल्याणक की तैयारियों में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** जैन एकता की प्रतीक संस्था 'जैन महासंघ' के तत्वावधान में 24वें तीर्थंकर श्री श्रमण भगवान महावीरस्वामीका 2625वां जन्म कल्याणक एवं संघ का 36वां महोत्सव 31 मार्च को मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी, पंन्यासश्री ज्ञानबोधिविजयजी, साध्वीश्री पुण्यनिधिश्रीजी, विज्ञप्तियशाश्रीजी, मणिप्रभाश्रीजी, उदितायशाश्रीजी, नीलमप्रभाश्रीजी एवं अन्य श्रमण श्रमणियों का सान्निध्य प्राप्त होगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को सुबह 6 बजे से जैन नवयुवक मंडल द्वारा कोण्डितोप से शुरू प्रभात फेरी से होगी। साथ ही विभिन्न जिनालयों में जन्माभिषेक, स्नात्र महोत्सव, बड़ी पूजा एवं भव्य अंगरचना की जाएगी। शोभायात्रा पूर्व सुबह नाश्ते के लाभार्थी नार्थ टाउन बिन्नी में ताराबाई उम्मीदमल जवाल चेन्नई होंगे। सुबह 8 बजे भव्य रथयात्रा, विभिन्न झांकियां, विविध संगीत मंडलों द्वारा भक्ति गीत एवं अनेकों बैन्ड टीमों से शहर के राजमार्गों को गुंजायमान करते हुए जैन दादाबाड़ी, अयनावरम पहुंचेगी। शोभायात्रा की व्यवस्था चन्द्रप्रभु जैन सेवा मंडल द्वारा की जाएगी। दादावाड़ी में दस बजे धर्मसभा एवं महिलाओं द्वारा समूह सामायिक से शुरूआत होगी।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य लहरसिंह सिरोया, अतिथि विशेष अखिल भारतीय आतंकवाद निरोधी मोर्चा दिल्ली के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा एवं अखिल भारतीय जीतो अपेक्स पुणे के अध्यक्ष विजय भंडारी होंगे। महोत्सव में सकल संघ की नवकारसी के लाभार्थी पिस्ताकंवर पारसमल खेतपालिया, केएलपी प्रोजेक्ट के चेयरमैन सुनील खेतपालिया हैं।

संयोजक पन्नालाल सिंघवी एवं गौतम कांकरिया ने बताया कि दादाबाड़ी में टेन्ट साज सज्रा, अनेकों संस्थाओं द्वारा भिन्न-भिन्न सेवाओं के काउंटरों एवं जैन सहायक समिति के सहयोग से महिला गृह उद्योग के काउंटर लगाए जाएंगे। कल्याणक पर विभिन्न संस्थाओं, संगठनों, लाभार्थियों दानदाताओं एवं कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम स्थल दादावाड़ी परिसर उपलब्ध कराने वालों को धन्यवाद दिया।

महासंघ के सभी पदाधिकारियों ने सभी महावीर अनुयायियों को महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है।

# 'एआई के क्षेत्र में भारत की स्थिति दुनिया में सबसे अलग'

**नई दिल्ली/भाषा।** सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कॉग्निजेंट के मुख्य एआई अधिकारी बाबक होदजात ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के मामले में भारत दुनिया में एक विशिष्ट स्थिति में है। उन्होंने इसके पीछे भारत के मजबूत प्रौद्योगिकी आधार और डिजिटल प्रणालियों की गहरी समझ रखने वाले विशाल कार्यबल को बड़ी वजह बताया।

# 'अमृता' में अंतरराष्ट्रीय विमानन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** अमृता इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एविएशन द्वारा दो दिवसीय विशेष अंतरराष्ट्रीय विमानन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेजी से विस्तार कर रहे वैश्विक बाजार में उच्च मानकों और करियर के प्रचुर अवसरों के साथ इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को वैश्विक विमानन के क्षेत्र में बहुमूल्य अनुभव प्रदान किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व हांगकांग के अनुभवी विमानन विशेषज्ञ सुश्री शर्मिला सैंड्रासेगरन ने किया। अपने व्यापक अनुभव से विद्यार्थियों को लाभान्वित करते हुए सुश्री शर्मिला ने छात्रों को विमानन क्षेत्र में उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए तैयार करने हेतु गतिशील और आकर्षक सत्र आयोजित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विमानन उद्योग की आंतरिक कार्यप्रणालियों को सरल तरीके से समझाया। कार्यक्रम में फ्यूचर ड्रीम अकादमी, मलेशिया के अध्यक्ष एसके कलैअरसन, सीईओ जयनानक सिंह, चेन्नई के अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन आर. भूमिनाथन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# 'माता, मातृभूमि और मातृभाषा सम्मान के अधिकारी हैं'

## चंद्रप्रभु जैन कॉलेज में मनाया गया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां मिंजूर स्थित चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ने बुधवार को भगवान महावीर सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में बिग बॉस में अपनी उपस्थिति के लिए मशहूर इसाईवानी मुख्य अतिथि थीं। इस मौके पर अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया, सचिव ललित कुमार जैन, संयुक्त सचिव सुरेश राठौड़ और प्रधानाचार्या डॉ. एन. सुजाता शामिल थीं। महिला परामर्श समिति की समन्वयक डॉ. एस. सत्या ने सभी का स्वागत किया। प्रधानाचार्या डॉ. एन. सुजाता ने अध्यक्षीय भाषण दिया। सचिव ललित कुमार जैन ने विशेष संबोधन का प्रस्ताव रखा। महिला परामर्श समिति की सहायक समन्वयक ए. मेनका ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए इसाईवानी ने समाज में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और अहिंसा एवं करुणा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को साहस विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने माता, मातृभूमि और मातृभाषा के प्रति सम्मान पर भी बल दिया और कहा कि महिलाएं भावी पीढ़ियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मिस एससीपीजेसी नामक एक सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसे आई बीएससी ईएआई की सुश्री ए. असमत निशा ने जीता। शैक्षणिक वर्ष के दौरान महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का समापन बीकॉम (सीएस) की सहायक प्रोफेसर और महिला परिषद सदस्य अनीता के धन्यवाद से हुआ।

# आदिनाथ जैन ट्रस्ट का मेगा सेवा शिविर सम्पन्न

## 400 से अधिक दिव्यांगों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** शहर के आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित आदिनाथ जैन सेवा केंद्र में शनिवार को एक विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 400 दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह सेवा शिविर ताराबाई कन्यालाल मुथा परिवार एवं गोलेछा परिवार के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त बी. लोकनाथ रेड्डी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदनलाल चौवटिया ने की। विशेष अतिथियों में जीवनलाल मरलेछा, अशोक श्रीश्रीमाल, तिरु सी. बसकर, तिरु हरीश नारायणन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। साथ ही लाभार्थी परिवारों में आशीबाई, रानुलाल देवराज प्रकाशचंद गोलेछा सहित कई लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के मंत्री डॉ. मोहन जैन के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने ट्रस्ट की उपलब्धियों, सेवा कार्यों एवं दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले आधुनिक कृत्रिम अंगों और अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर लंबे समय से दिव्यांग सेवा कार्य करना गर्व का विषय है। उन्होंने जैन समाज की सेवा भावना की भी खुलकर प्रशंसा की। शिविर में दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर, वॉकिंग स्टिक, चश्मे एवं कृत्रिम अंग सहित अनेक आवश्यक उपकरण वितरित प्रदान किए गए। साथ ही उपस्थित जनों को मांसाहार के दुष्प्रभाव एवं शाकाहार के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए शाकाहार अपनाने का संकल्प भी दिलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के ट्रस्टी सुशील सिंघवी, जितेंद्र संचेती, महावीर बरड़िया, विनय जैन एवं अक्षत जैन सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया। सभी वक्ताओं ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आदिनाथ जैन ट्रस्ट पिछले 48 वर्षों से नि:स्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है और वर्तमान में करीब 23 नि:शुल्क प्रोजेक्ट संचालित कर रहा है। ट्रस्ट के महामंत्री एवं उपाध्यक्ष डॉ. मनोज जैन ने सेवा केंद्र की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां आधुनिक तकनीक से दिव्यांगों के लिए कृत्रिम पैर बनाए जाते हैं। इसके अलावा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा (कैटरेक्ट ऑपरेशन), आई क्लिनिक, फिजियोथेरेपी, एक्युप्रेशर, एक्युपंचर, मैगनेट थेरेपी, योग एवं मेडिटेशन सेंटर भी संचालित हैं। महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण, रोजगार सहायता तथा व्यक्तित्व विकास हेतु फिनिशिंग स्कूल की भी सुविधा उपलब्ध है। साथ ही सेवा केंद्र में ट्यूशन सेंटर, पक्षियों के लिए दाना-पानी जैसी सामाजिक सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम के अंत म साध्वीजी मणिप्रभाश्रीजी ने सभी जरूरतमंदों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सामूहिक 36 नवकार मंत्र जाप कराया तथा सभी को आशीर्वचन प्रदान किए। अंत में सभी अतिथियों ने अपने हाथों से जरूरतमंद दिव्यांगजनों को नि:शुल्क उपकरण वितरित किए।

# गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलूरु में 20 एकड़ जमीन खरीदी

**बेंगलूरु।** रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बेंगलूरु में 20 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी वह एक आवासीय परियोजना विकसित करेगी जिससे अनुमानित 1,350 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने पूर्वी बेंगलूरु में 20 एकड़ का भूखंड खरीदा है। कंपनी ने हालांकि जमीन की लागत का उल्लेख नहीं किया। कंपनी ने कहा, ''कंपनी इस स्थल पर एक प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रही है, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 1,350 करोड़ रुपये है।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.